गैरसैंण, सोमवार
6 अप्रैल 2026
वर्षः 16
अंकः 309 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

सरकार ने की अपील: पैनिक न हों देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है, अफवाहों से बचें

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट में उत्पन्न बाधाओं के बीच, भारत सरकार ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि देश में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और सुचारू है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर नागरिकों से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पैनिक बाइंग यानी घबराहट में खरीदारी न करने की पुरजोर अपील की है।

सरकार ने भरोसा दिलाया है कि पेट्रोलियम उत्पादों से लेकर कुकिंग गैस तक की उपलब्धता बिना किसी रुकावट के बनी हुई है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सरकार घरेलू एलपीजी और पाइप्ड नेचुरल गैस की आपूर्ति को घरों, अस्पतालों और अन्य आवश्यक सेवाओं के लिए प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित कर रही है। रिफाइनरी उत्पादन बढ़ाकर मांग को नियंत्रित करने के लिए विशेष उपाय लागू किए गए हैं, जिसमें एलपीजी रिफिलिंग के अंतराल को व्यवस्थित करना भी शामिल है। सरकार ने लोगों से आग्रह किया है कि वे केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें और ऊर्जा संरक्षण पर ध्यान दें।ईंधन की कालाबाजारी और अवैध जमाखोरी को रोकने के लिए सरकार सख्त कदम उठा रही है। जारी रिपोर्ट के अनुसार, अब तक देश भर में 3,700 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की गई है। इस कार्रवाई के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले एलपीजी वितरकों को लगभग 1,000 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं और अब तक 27 डीलरों के लाइसेंस निलंबित किए जा चुके हैं। सरकार ने साफ कर दिया है कि संकट का फायदा उठाने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मंत्रालय द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद वितरण केंद्रों पर एलपीजी की कमी की कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। बीते शुक्रवार को ही देशभर में करीब 51 लाख एलपीजी सिलेंडर बांटे गए, जिनमें से 95 प्रतिशत मांग ऑनलाइन बुकिंग के जरिए पूरी की गई। एहतियात के तौर पर कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई को फिलहाल 70 प्रतिशत तक सीमित किया गया है और विकल्प के रूप में केरोसिन व कोयले जैसे ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। मंत्रालय ने अंत में पुष्टि की है कि सभी रिफाइनरियां कच्चे तेल के पर्याप्त भंडार के साथ काम कर रही हैं और देश भर के पेट्रोल पंप पूरी तरह से भरे हुए हैं, इसलिए घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

हमें पैसे नहीं चाहिए, सच्चाई जाननी है, ब्लैक बॉक्स रिकॉर्डर डेटा सार्वजनिक किया जाए

-अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ित परिवारों ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे के 10 महीने बाद करीब 30 पीड़ित परिवारों ने शनिवार को पीएम मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने मोदी से फ्लाइट का ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर डेटा सार्वजनिक करने की मांग की है। परिजनों ने कहा कि हमें पैसे नहीं चाहिए। हमें सच्चाई जाननी है। हम जानना चाहते हैं कि हादसा क्यों हुआ और क्या इसमें कोई तकनीकी खराबी थी। परिजनों का कहना है कि अगर ब्लैक बॉक्स डेटा सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, तो कम से कम इसे निजी तौर पर परिवारों के साथ साझा किया जाए। बता दें 12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन जा रहा बोइंग 787-8 विमान टेकऑफ के तुरंत बाद मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिर गया था। इस हादसे में 241 यात्री और 19 अन्य लोगों समेत कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। पीड़ित परिवारों ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में एअर इंडिया की तरफ से मदद की कमी का आरोप लगाया। हादसे में अपनी मां को खोने वाली किंजल पटेल ने एअर इंडिया की वेबसाइट के इस्तेमाल में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया, जहां पीड़ितों के सामान की पहचान करनी होती है। उन्होंने कहा कि वेबसाइट पर 25,000 से ज्यादा सामानों की लिस्ट हैं, लेकिन तस्वीरें साफ नहीं हैं। इससे कुछ भी ढूंढ पाना या पहचान कर पाना नामुमकिन है। वहीं अपनी मां, भाई और बेटी को खोने वाले खेड़ा के रोमिन वोरा ने बताया कि डिजिटल साधनों की जानकारी न होने के कारण कई परिवारों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक ईमेल आईडी है और जवाब आने में 15 दिन तक लग जाते हैं। गांव के कई लोग ईमेल इस्तेमाल करना भी नहीं जानते। उन्होंने यह भी कहा कि वेबसाइट पर निजी सामान को सार्वजनिक रूप से दिखाना असंवेदनशील है। पीड़ित परिवारों ने पत्र की कॉपी एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो, डीजीसीए और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को भी भेजी हैं। इस मामले में एअर इंडिया की प्रतिक्रिया का इंतजार है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने पिछले साल जुलाई में प्लेन क्रैश की शुरुआती जांच रिपोर्ट सौंपी थी। फाइनल रिपोर्ट इस साल जून में यानी हादसे की पहली बरसी के आसपास आने की संभावना है।

दिल्ली में पार्किंग विवाद को लेकर महिला सब-इंस्पेक्टर ने बुजुर्ग दुकानदार को थप्पड़ मारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहिणी सेक्टर 7-8 की डिवाइडिंग रोड पर शनिवार रात पार्किंग को लेकर एक विवाद भड़क गया। जानकारी के अनुसार, कार सवार महिला ने 78 वर्षीय एक बुजुर्ग दुकानदार को थप्पड़ मार दिया, जिससे आसपास के दुकानदारों में हंगामा मच गया। घटना के दौरान आरोपित महिला ने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए अन्य दुकानदारों को धमकी देना भी शुरू कर दिया। इस पर स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने पर महिला चालक को हिरासत में लिया गया और उससे पूछताछ जारी है। महिला ने अपना नाम सब-इंस्पेक्टर भारती तोमर बताया है। पुलिस ने पीड़ित बुजुर्ग दुकानदार के बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना ने इलाके में तनाव पैदा कर दिया था। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने और जांच में सहयोग करने की अपील की है।

बहराइच में साधारण प्रिंटर से नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में पुलिस ने जाली मुद्रा तैयार करने और उसे बाजार में खपाने वाले एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी किसी अत्याधुनिक या हाईटेक मशीन के बजाय एक साधारण कलर प्रिंटर का इस्तेमाल कर नकली नोट छाप रहे थे। ये आरोपी इन नोटों को स्थानीय बाजारों में असली बताकर चला भी रहे थे। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान इस गैंग के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से 500 रुपये के 23 नकली नोट बरामद हुए हैं, जिनकी कुल कीमत 11,500 रुपये है। इसके साथ ही पुलिस ने वह कलर प्रिंटर भी जब्त कर लिया है, जिसका उपयोग नोटों की छपाई के लिए किया जा रहा था। बहराइच के पुलिस अधीक्षक विजयजीत श्रीवास्तव ने बताया कि खैरीघाट इलाके में शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात को मिली एक गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई थी, जिसमें चारों आरोपियों को रंगे हाथ दबोचा गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गुरुचरण सिंह उर्फ विजय, सलीम उर्फ सूरज, हरिराम लोधी और अर्जुन के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया है कि वे कलर प्रिंटर की मदद से नोट तैयार करते थे। उनकी कार्यप्रणाली यह थी कि वे नकली नोटों को असली जैसा दिखाने के लिए उन्हें छोटे-छोटे लेनदेन में इस्तेमाल करते थे, ताकि किसी को उन पर शक न हो। गिरोह अक्सर भीड़भाड़ वाले बाजारों और छोटी दुकानों को निशाना बनाता था, जहां व्यस्तता के कारण लोग नोटों की बारीकी से जांच नहीं कर पाते थे। इस सफल ऑपरेशन के बाद पुलिस अब इस नेटवर्क की गहराई तक जाने में जुटी है। जांच का मुख्य केंद्र यह है कि यह गिरोह कब से सक्रिय था और अब तक कितनी नकली करेंसी बाजार में खपा चुका है। साथ ही पुलिस इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि क्या इस रैकेट के तार अन्य जिलों या राज्यों से भी जुड़े हैं। फिलहाल, चारों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने आम जनता से भी अपील की है कि वे बड़े नोटों का लेनदेन करते समय सतर्क रहें और उनकी प्रामाणिकता की जांच अवश्य करें।

केरल में शशि थरूर के साथ अभद्रता और काफिला रोकने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

–पुलिस ने मामला दर्ज कर अन्य आरोपियों की कर रही तलाश

वंडूर (एजेंसी)। केरल में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के साथ चुनाव प्रचार के दौरान अभद्रता और काफिला रोकने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना शनिवार को केरल के वंडूर क्षेत्र में हुई थी, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई। पुलिस के मुताबिक चेल्लिथोडु इलाके में कुछ युवकों ने शशि थरूर के काफिले को रोक लिया और उनके साथ गाली-गलौज की थी। घटना के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया, जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने स्थिति को संभाला। मामले में थरूर के गनमैन की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि घटना के समय शशि थरूर यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के उम्मीदवार एपी अनिल कुमार के समर्थन में प्रचार कर रहे थे। इस दौरान उनका काफिला जैसे ही चेल्लिथोडु क्षेत्र से गुजर रहा था, कुछ युवकों ने रास्ता रोककर विरोध प्रदर्शन किया। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता थरूर ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया, लेकिन स्पष्ट किया कि इससे उनके चुनाव प्रचार पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वे अपने तय कार्यक्रम के मुताबिक अभियान जारी रखेंगे।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। साथ ही बाकी आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। बता दें केरल में 9 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। ऐसे में चुनावी माहौल के बीच इस तरह की घटनाएं प्रशासन के लिए चुनौती बन सकती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जैसे-जैसे मतदान की तारीख करीब आ रही है, राज्य में चुनावी गतिविधियां तेज हो रही हैं और इसके साथ ही तनाव की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में प्रशासन और राजनीतिक दलों दोनों की जिम्मेदारी है कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो।

मच्छरों के आतंक पर अनोखा प्रदर्शन, विधायक ने मच्छरदानी पहनकर सरकार को घेरा

हैदराबाद (एजेंसी)। शहर में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप और इससे फैलने वाली बीमारियों को लेकर विपक्ष ने एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक देविरेड्डी सुधीर रेड्डी गुरुवार को मच्छरदानी से बना कपड़ा पहनकर मीडिया के सामने पहुंचे। इस अनूठे लिबास में उन्होंने तेलंगाना की वर्तमान कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला और शहर की चिंताजनक स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया।

सुधीर रेड्डी ने आरोप लगाया कि हैदराबाद के नागरिक मच्छरों के बढ़ते आतंक से बेहाल हैं और रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार इस समस्या पर नियंत्रण पाने में पूरी तरह विफल रही है। विधायक ने दावा किया कि उनकी पार्टी के शासनकाल में झीलों और जलाशयों में मच्छरों को रोकने के लिए पांच चरणों वाली एक वैज्ञानिक प्रणाली लागू की गई थी, जिससे मच्छरों की संख्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया गया था। उनका आरोप है कि वर्तमान सरकार ने उन प्रभावी उपायों को बंद कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप अब शहर में मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के मामलों में भारी वृद्धि देखी जा रही है। विधायक ने ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएचएमसी) पर भी लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नगर निकाय पर्याप्त फॉगिंग और एंटी-लार्वा अभियान चलाने में नाकाम रहा है, जिससे सरकारी अस्पतालों में बुखार के मरीजों की कतारें लंबी होती जा रही हैं। रेड्डी ने मांग की कि सरकार तत्काल बीआरएस शासनकाल के वैज्ञानिक नियंत्रण उपायों को फिर से शुरू करे और एक आपातकालीन योजना बनाकर जनता को राहत दिलाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते मच्छर नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए, तो हैदराबाद की एक वैश्विक शहर के रूप में बनी छवि को गहरा नुकसान पहुंच सकता है। हालांकि, विपक्षी विधायक के इन गंभीर आरोपों और अनोखे प्रदर्शन पर फिलहाल सत्ताधारी दल या नगर निगम प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

उत्तर भारत में तूफानी बारिश का कहर, यूपी–बिहार समेत 9 राज्यों में ओलावृष्टि का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के मौसम में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। एक के बाद एक सक्रिय हुए दो पश्चिमी विक्षोभों ने गर्मी के तेवरों को ढीला कर दिया है। मार्च के अंत में जहां भीषण गर्मी ने दस्तक दे दी थी, वहीं अप्रैल की शुरुआत बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं के साथ हुई है। मौसम विभाग ने 5 अप्रैल को दिल्ली–एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब समेत देश के 9 राज्यों में आंधी और बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बेमौसम की इस मार ने आम जनजीवन को प्रभावित करने के साथ–साथ किसानों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। राजधानी दिल्ली में शनिवार को हुई जोरदार बारिश के बाद रविवार को भी ठंडी हवाओं का दौर जारी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 7 अप्रैल को दूसरा पश्चिमी विक्षोभ अपने चरम पर होगा, जिसके प्रभाव से 8 अप्रैल तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। हालांकि 6 अप्रैल को हल्की राहत की उम्मीद है, लेकिन बिजली गिरने की चेतावनी के चलते लोगों को बेवजह घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। राजस्थान के कई हिस्सों में कुदरत का अलग ही रूप देखने को मिला है, जहां भारी ओलावृष्टि के कारण जमीन पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। बीकानेर, जयपुर, जोधपुर और उदयपुर जैसे संभागों में 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। वहीं, उत्तर प्रदेश के झांसी, मुजफ्फरनगर और अलीगढ़ जैसे पश्चिमी जिलों के साथ–साथ लखनऊ और कानपुर में भी मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। बिहार के पटना, गया और चंपारण इलाकों में भी बादलों की आवाजाही और गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। पहाड़ी राज्यों का हाल भी जुदा नहीं है।

माओवादी प्रशांत की अस्पताल में मौत, शव लेने नहीं पहुंचा परिवार का कोई सदस्य

-जेल में बंद पत्नी ने पत्र लिखकर कहा-प्रशासन करे अंतिम संस्कार की व्यवस्था

रांची(एजेंसी)। भाकपा माओवादी के वरिष्ठ नेता और पोलित ब्यूरो सदस्य प्रशांत बोस का 3 अप्रैल को निधन हो गया। उनके निधन के बाद अंतिम संस्कार को लेकर प्रशासन के सामने एक खास स्थिति बन गई, क्योंकि उनके परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं है। उनके निधन के बाद उनका शव रिम्स की मोर्चरी में रखा गया है। इस बीच उनकी पत्नी शीला मरांडी, जो खुद भी माओवादी संगठन की नेता हैं और फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय जेल में बंद हैं, उन्होंने जेल प्रशासन के जरिए जिला प्रशासन को पत्र भेजा है। उन्होंने पत्र में कहा है कि उनके पति का कोई अन्य परिजन नहीं है, इसलिए प्रशासन ही उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था करे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रशांत बोस पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के यादवपुर इलाके के रहने वाले थे। उन्हें 12 नवंबर 2021 को झारखंड पुलिस ने सरायकेला जिले के कांड्रा स्थित मुंडरी चेक पोस्ट के पास गिरफ्तार किया था। उस समय उनके साथ उनकी पत्नी शीला मरांडी और चार अन्य माओवादी भी पकड़े गए थे। गिरफ्तारी के वक्त प्रशांत बोस पर सरकार ने एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित किया था। बताया जाता है कि वह इस समय इलाज करा रहे थे। गिरफ्तारी से पहले उन्होंने कई राज्यों में नक्सल गतिविधियों को फैलाने में अहम भूमिका निभाई थी। झारखंड में उनके खिलाफ 70 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। वहीं, उनकी पत्नी शीला मरांडी भी माओवादी संगठन की सेंट्रल कमेटी की सदस्य और नारी मुक्ति संघ की प्रमुख रह चुकी हैं फिलहाल वह जेल में बंद हैं।

सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश पर सुप्रीम कोर्ट के 9 जज करेंगे सुनवाई, मस्जिदों पर भी असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में 7 अप्रैल 2026 का दिन एक बड़े संवैधानिक बदलाव का गवाह बनने जा रहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली 9 जजों की संविधान पीठ उन जटिल और व्यापक कानूनी सवालों पर सुनवाई शुरू करेगी, जिनका सीधा असर हिंदू, मुस्लिम, पारसी और दाऊदी बोहरा समुदायों की धार्मिक प्रथाओं पर पड़ना तय है। यह मामला केवल सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि अब यह एक ऐसी बड़ी बहस बन चुका है जो व्यक्तिगत अधिकारों और धार्मिक स्वायत्तता के बीच की रेखा स्पष्ट करेगा।

अदालत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि क्या किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकार किसी समुदाय के सामूहिक धार्मिक अधिकारों से ऊपर हो सकते हैं। इस सुनवाई का प्रभाव मस्जिदों में महिलाओं के प्रवेश, गैर-पारसी व्यक्ति से विवाह करने वाली पारसी महिलाओं के अग्नि मंदिर में प्रवेश के अधिकार और दाऊदी बोहरा समुदाय में प्रचलित प्रथाओं की वैधता पर भी पड़ेगा। गौरतलब है कि 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने 4-1 के बहुमत से सबरीमाला में सभी आयु वर्ग की महिलाओं के प्रवेश की अनुमति दी थी, तब कोर्ट ने कहा था कि भक्ति को लैंगिक आधार पर विभाजित नहीं किया जा सकता। हालांकि, 2019 में कोर्ट ने महसूस किया कि इस मुद्दे के तार कई अन्य धर्मों की प्रथाओं से भी जुड़े हैं, जिसके बाद इसे बड़ी बेंच को भेज दिया गया था।

सीजेआई सूर्य कांत के नेतृत्व वाली इस नई बेंच में जस्टिस बीवी नागरत्ना सहित देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों के अनुभवी जज शामिल हैं। पीठ मुख्य रूप से संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 की व्याख्या करेगी। अदालत यह देखेगी कि धार्मिक स्वतंत्रता का दायरा क्या है और इसमें प्रयुक्त नैतिकता शब्द का अर्थ संवैधानिक नैतिकता है या सामाजिक। साथ ही, यह भी तय किया जाएगा कि क्या अदालतें यह निर्धारित करने का अधिकार रखती हैं कि कोई प्रथा किसी धर्म का अनिवार्य हिस्सा है या नहीं। इस मामले में अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और कई जैन संगठनों ने भी हस्तक्षेप किया है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि जो प्रथाएं महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाती हैं, उन्हें धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं माना जा सकता। वहीं, धार्मिक संस्थाओं का कहना है कि धर्म की अपनी आंतरिक स्वायत्तता होती है और सदियों पुरानी परंपराओं में न्यायिक हस्तक्षेप उचित नहीं है। 7 अप्रैल से शुरू होने वाली यह दैनिक सुनवाई तय करेगी कि भविष्य का भारत संवैधानिक मूल्यों और धार्मिक मान्यताओं के बीच कैसा संतुलन बनाएगा।

दुष्कर्मी खरात पुलिस के चंगुल में... वीरान पड़ा मंदिर और फार्महाउस 'ब्रह्मसदन'

फार्महाउस का गार्डन एरिया चीकू, बेल, अंगूर और 5 हजार आम के पेड़

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले के मीरगांव में मौजूद ईशान्येश्वर महादेव मंदिर और अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा का 20 एकड़ का फार्महाउस 'ब्रह्मसदन' में अब सन्नाटा पसरा हुआ है। खरात के 58 अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद मंदिर और फार्महाउस चर्चा में आए। मंदिर कभी वीआईपी और नेताओं के लिए आकर्षण था, लेकिन अब पुजारी भी सुरक्षा और पूछताछ के डर से नियमित पूजा नहीं हो रही हैं।

पुजारी का कहना है कि मंदिर में कभी भी कोई अश्लील घटना नहीं हुई। मंदिर में विशेष पूजा केवल बड़े नेता और वीआईपी के आने पर होती थी। फरार पत्नी और पुलिस हिरासत में बेटे के कारण अब मंदिर में कोई भक्त नहीं आता। 18 मार्च को खरात की गिरफ्तारी के बाद एसआईटी ने फार्महाउस की 8 घंटे तक पूछताछ की, जहां रिवॉल्वर, 21 कारतूस और विजिटर बुक मिली। फार्महाउस अब पुलिस द्वारा सील है।

फार्महाउस का गार्डन एरिया चीकू, बेल, अंगूर और रसभरी के पेड़ों से भरा है, और 5,000 आम के पेड़ों का बाग भी इस फार्महाऊस में मौजूद है। स्थानीय लोग आरोप लगाते हैं कि खरात ने नदी के बहाव और ग्राम जमीन पर कब्जा किया। 2004-05 में खरात ने गांव और आसपास की करीब 50 एकड़ जमीन खरीदी। उनका मंदिर निर्माण और संपत्ति बढ़ाना लोगों के लिए परेशानी बन गया।

स्थानीय पुलिस का कहना है कि गांववालों से कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली, जबकि सरकार ने उनके शिवनिका संस्थान को पानी की आपूर्ति दी थी, इस फिलहाल बंद किया गया है। गांव वाले बताते हैं कि खरात की लाइफस्टाइल बेहद आलीशान थी, जिसमें मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू और फॉर्च्युनर जैसी गाड़ियां शामिल थीं।

इस घटना से गांव का माहौल बदल गया है। मंदिर और फार्महाउस, जो पहले श्रद्धालुओं और वीआईपी के लिए केंद्र थे, अब खामोशी और पुलिस निगरानी के तहत हैं। खरात के खिलाफ 10 मामले दर्ज हैं, जिनमें 8 सेक्सुअल हैरेसमेंट से संबंधित हैं। एसआईटी लगातार जांच कर रही है और अब तक उनकी 1,500 करोड़ रुपए की संपत्ति का खुलासा हो चुका है। मंदिर और फार्महाउस का यह उजाड़ हाल ग्रामीण और श्रद्धालुओं के लिए एक चेतावनी बन गया है कि किसी भी व्यक्ति की प्रतिष्ठा उसके कृत्यों से प्रभावित हो सकती है। स्थानीय लोग और पुजारी अब केवल पुलिस जांच पूरी होने का इंतजार कर रहे हैं।

हिंद महासागर में 4.2 तीव्रता का आया भूकंप, जान-माल का नुकसान नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। रविवार तड़के हिंद महासागर में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया, जिसने क्षेत्र में भूगर्भीय हलचल पैदा की। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक यह भूकंप समुद्र तल से करीब 90 किलोमीटर की गहराई पर आया। सुबह के समय आए इस भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। विशेषज्ञों ने इसे सामान्य और कम तीव्रता वाला भूकंप बताया है, जिसके कारण किसी बड़े खतरे की संभावना नहीं बनी। साथ ही, किसी भी प्रकार की सुनामी चेतावनी भी जारी नहीं की गई है। हालांकि वैज्ञानिकों का मानना है कि समुद्र के अंदर होने वाली ऐसी हलचलें भूगर्भीय गतिविधियों का संकेत होती हैं, जिन पर लगातार निगरानी बनाए रखना जरुरी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप केवल सतह पर ही नहीं, बल्कि पृथ्वी के अंदर कई गहराइयों पर भी उत्पन्न होते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भूकंपों को उनकी गहराई के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा जाता है। उथले भूकंप सतह से 70 किलोमीटर तक की गहराई में आते हैं, मध्यवर्ती भूकंप 70 से 300 किलोमीटर के बीच और गहरे भूकंप 300 से 700 किलोमीटर तक की गहराई में उत्पन्न होते हैं। वर्तमान भूकंप मध्यवर्ती श्रेणी में आता है, जो अपेक्षाकृत कम विनाशकारी होता है। हिंद महासागर का क्षेत्र भूगर्भीय दृष्टि से अत्यंत सक्रिय है।

तमिलनाडु में जोर पकड़ रही हिंदू पॉलिटिक्स, वैचारिक कट्टरता पर भारी पड़ती चुनावी रणनीति

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति ऐतिहासिक रूप से आत्म-सम्मान आंदोलन, तर्कवाद और नास्तिकता के स्तंभों पर टिकी रही है। लेकिन 2026 के चुनावी समर में राज्य की राजनीतिक जमीन पर एक अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिल रहा है। जो नेता कल तक धार्मिक कर्मकांडों और रूढ़ियों के मुखर विरोधी हुआ करते थे, वे आज मंदिरों की चौखट पर नतमस्तक नजर आ रहे हैं। यह बदलाव द्रविड़ राजनीति के गढ़ में एक नई वैचारिक दिशा की ओर इशारा करता है, जिसे जानकार सॉफ्ट हिंदुत्व और सर्व-समावेशी छवि बनाने की कवायद मान रहे हैं।

द्रमुक के प्रमुख चेहरे और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, जो पूर्व में सनातन धर्म और धार्मिक प्रथाओं पर अपनी विवादित टिप्पणियों के लिए चर्चा में रहे हैं, हाल ही में अपने निर्वाचन क्षेत्र के मंदिर में पूजा-अर्चना करते देखे गए। द्रविड़ विचारधारा के कट्टर समर्थक माने जाने वाले उदयनिधि का यह बदला हुआ स्वरूप चौंकाने वाला है। इसी तरह, पूर्व सांसद डॉ. सेंथिल कुमार, जो पहले सरकारी परियोजनाओं में भूमि पूजन और धार्मिक अनुष्ठानों का विरोध कर विवादों में घिरे थे, अब चुनाव प्रचार के दौरान सक्रिय रूप से मंदिरों का दौरा कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि नेता अब बहुसंख्यक मतदाताओं को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहते। इस बार के चुनाव में धार्मिक सीमाओं का धुंधला होना एक बड़ा ट्रेंड बनकर उभरा है। चुनावी रैलियों में जहां मुस्लिम उम्मीदवार माथे पर विभूति लगाए नजर आ रहे हैं, वहीं हिंदू उम्मीदवार मस्जिदों में जाकर वोट मांग रहे हैं। यह रणनीतिक बदलाव केवल धर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि जातिगत समीकरणों को साधने के लिए भी इस्तेमाल किया जा रहा है। थेवर समुदाय से आने वाले मंत्री थंगम थेनारासु का दलित नेता इमैनुएल सेकरन के स्मारक पर जाना इस बात का प्रमाण है कि पार्टियां अब केवल अपने पारंपरिक वोट बैंक के भरोसे नहीं रहना चाहतीं। विशेषज्ञों का मानना है कि तमिलनाडु में सांप्रदायिक रेखाएं भले ही पहले से बहुत गहरी न रही हों, लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में दलित और अल्पसंख्यक वोटों की गोलबंदी के लिए प्रतीकों का सहारा लेना जरूरी हो गया है। राजनीति में प्रतिद्वंद्विता के बीच मानवीय गरिमा के उदाहरण भी सामने आ रहे हैं। गुम्मिडीपूंडी में अन्नाद्रमुक उम्मीदवार वी. सुधाकर द्वारा अपने प्रतिद्वंद्वी द्रमुक उम्मीदवार के पैर छूकर आशीर्वाद लेना यह दर्शाता है कि उम्मीदवार अपनी छवि को विनम्र और सुसंस्कृत बनाने पर जोर दे रहे हैं। 2026 का यह चुनाव निश्चित रूप से वैचारिक कट्टरता के बजाय व्यावहारिक राजनीति और समावेशी रणनीतियों के नए अध्याय के रूप में याद किया जाएगा।

दैनिक जयन्त- उत्तराखण्ड

संक्षिप्त समाचार

जनसमस्याओं के समाधान के लिए 'शिवपुरी जन विकास समिति' का गठन

देहरादून। बंजारावाला के शिवपुरी (टी एस्टेट) क्षेत्र में सड़क, नाली, बिजली और पानी जैसी बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए स्थानीय निवासियों ने एकजुट होकर 'शिवपुरी जन विकास समिति' का गठन किया है। रविवार को हुई बैठक में जनसमस्याओं पर व्यापक चर्चा के बाद सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। अध्यक्ष पूर्णानंद नौटियाल, सचिव भगवती प्रसाद बधानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तम चंद रमोला कोषाध्यक्ष विनोद नौटियाल को चुना गया। इसके अलावा पदम बहादुर थापा व बलबीर सिंह नेगी को उपाध्यक्ष, बिक्रम सिंह कुमांई को संयुक्त सचिव, दुर्गा सिंह नेगी को संगठन सचिव, रमेश सिंह पंवार को ऑडिटर और सुरेंद्र सिंह राणा को मीडिया प्रभारी चुना गया है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि समिति क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए निरंतर प्रयास करेगी और हर निवासी को इससे जोड़ा जाएगा। आगामी बैठक में कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा।

उत्तराखंड में नए जिलों को लेकर आंदोलन का ऐलान

देहरादून। 'जिला बनाओ संघर्ष समिति उत्तराखंड' ने उत्तराखंड में जल्द नए जिलों के गठन की मांग की है। चेताया कि यदि जल्द नए दिनों का गठन नहीं किया गया तो प्रदेश भर में धरना–प्रदर्शन किया जाएगा। प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत में संयोजक प्रकाश डबराल ने कहा कि उत्तराखंड अपनी रजत जयंती मना चुका है, लेकिन भौगोलिक रूप से विषम क्षेत्रों में रहने वाली जनता आज भी मूलभूत सुविधाओं और न्याय के लिए मीलों दूर जिला मुख्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर है।

पूर्णानंद नौटियाल अध्यक्ष, भगवती बधानी सचिव बने

देहरादून। बंजारावाला के शिवपुरी (टी एस्टेट) क्षेत्र में सड़क, नाली, बिजली और पानी जैसी बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए स्थानीय निवासियों ने एकजुट होकर शिवपुरी जन विकास समिति का गठन किया है।रविवार को हुई बैठक में जनसमस्याओं पर व्यापक चर्चा के बाद सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। अध्यक्ष पूर्णानंद नौटियाल, सचिव भगवती प्रसाद बधानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तम चंद रमोला कोषाध्यक्ष विनोद नौटियाल को चुना गया। इसके अलावा पदम बहादुर थापा व बलबीर सिंह नेगी को उपाध्यक्ष, बिक्रम सिंह कुमांई को संयुक्त सचिव, दुर्गा सिंह नेगी को संगठन सचिव, रमेश सिंह पंवार को ऑडिटर और सुरेंद्र सिंह राणा को मीडिया प्रभारी चुना गया है।

जसपुर में शांति भंग करते आठ गिरफ्तार

काशीपुर। पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत शांति व्यवस्था भंग करने वाले आठ अराजक तत्वों को गिरफ्तार किया है। रविवार को अफजलगढ़ रोड स्थित हीरा गार्डन के पास पारिवारिक विवाद में जीजा के साथ मारपीट कर रहे शैलेंद्र कश्यप, शनि कश्यप, अर्जुन कश्यप और जोगेंद्र कश्यप को दबोचा गया।

वहीं मोहल्ला जुलाहान में शराब के नशे में आपस में झगड़ा कर रहे शिवम, प्रशांत, अभिषेक और सुमित को भी पुलिस ने पकड़ लिया। सभी आरोपियों को एसडीएम के समक्ष पेश किया गया।

तुषार गेट से राजेंद्र नगर मार्ग पर जलभराव

रुड़की। प्रेमनगर स्थित तुषार गेट से लिथो प्रेस कॉलोनी के बराबर से राजेंद्र नगर जाने वाला मार्ग इन दिनों जलभराव की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। नाला चोक होने के कारण सड़क पर पानी भर गया है, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि सड़क कई जगह तालाब जैसी दिखाई दे रही है और पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कुछ माह पहले तुषार गेट पर नाले की पुलिया का निर्माण कराया गया था।

अंडर ट्रांसफर 42 इंस्पेक्टर दरोगाओं को जिला छोड़ने का फरमान

देहरादून। जिला बदलने के बावजूद लंबे समय से पुराने जिले में जमे गढ़वाल रेंज के इंस्पेक्टर–दरोगाओं को अब नई तैनाती पर जाना होगा। 42 कर्मचारियों की सूची जारी करते हुए आईजी रेंज ने 10 अप्रैल तिथि तय कर दी है।

डीजीपी दीपम सेठ ने हाल में इस मामले की समीक्षा करते हुए कड़ी नाराजगी जताई थी। सामने आया कि रोटेशन और वार्षिक स्थानांतरण नीति के तहत जिन इंस्पेक्टरों और दरोगाओं का तबादला पहाड़ के दुर्गम क्षेत्रों में किया गया था उनमें से कई किसी न किसी बहाने या सिफारिश से रिलीव नहीं हो रहे थे। ऐसे में लगभग उतनी ही संख्या में पहाड़ों के कप्तानों से वहां से सुगम में आने वाले कर्मचारी रोके हुए थे। इसके बाद आईजी रेंज ने गढ़वाल मंडल के सभी सातों जिलों को वहां तैनात अंडर ट्रांसफर इंस्पेक्टर–दरोगाओं को रिलीव करने 10 अप्रैल तक तिथि नीयत की। आदेश पर अमल होने से सातों जिलों में कई थानों, चौकियों में चार्ज चल रहे कर्मचारी रिलीव के दायरे में आएंगे।ये इंस्पेक्टर होंगेइंस्पेक्टर कैलाश चंद भट्ट (देहरादून से पौड़ी), प्रदीप राणा (देहरादून से टिहरी), योगेंद्र सिंह (टिहरी से हरिद्वार), राकेंद्र सिंह

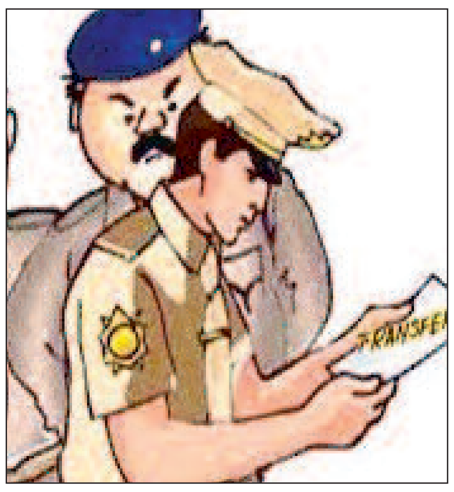

कठैत (रुद्रप्रयाग से देहरादून), मुकेश चौहान (रुद्रप्रयाग से देहरादून) और नत्थीलाल उनियाल (पीएचक्यू से देहरादून)।पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर रिलीव करने को आदेश किए गए हैं। 10 अप्रैल तक आदेश पर अमल न होने पर जिलावार समीक्षा की जाएगी।– राजीव स्वरूप, आईजी गढ़वाल रेंज

चमन विहार में बंद मकान में चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

देहरादून। चमन विहार फेस–एक के एक घर में हुई चोरी का पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने पांच महीने बाद खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने के जेवरात, चांदी के सिक्के और समेत अन्य सामान बरामद किया। इंस्पेक्टर पटेलनगर विनोद गुसाईं ने बताया कि बीते 16 अक्तूबर को चमन विहार निवासी अनमोल कपूर ने अपने घर का ताला तोड़कर कीमती सामान चोरी का केस दर्ज कराया। जांच के दौरान शनिवार को शिमला बाईपास रोड स्थित बड़ोवाला पुल के पास से दो आरोपी चोरों को पकड़ा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान 26 वर्षीय मोहित निवासी बहादरपुर खादर, थाना कांठ, जिला मुरादाबाद, यूपी और 19 वर्षीय आशु निवासी बढ़ापुर, कोतवाली नगीना, जिला बिजनौर, यूपी के रूप में हुई। आरोपी मोहित के पास से एक कंगन, एक जोड़ी झुमके और तीन चांदी के सिक्के बरामद हुए। वहीं, दूसरे आरोपी आशु के कब्जे से एक कंगन, एक अंगूठी, माता का लॉकेट और अनमोल कपूर का आधार कार्ड बरामद किया गया।

कैड्यूसियस कप: दून मेडिकल कॉलेज बना प्रथम उपविजेता

देहरादून। गवर्नमेंट दून मेडिकल कॉलेज ने राज्य स्तरीय इंटर–कॉलेज मेडिकल क्विज 'कैड्यूसियस कप' में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम उपविजेता का खिताब अपने नाम किया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन ग्राफिक एरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की ओर से किया गया था, जिसमें प्रदेश भर के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों ने हिस्सा लिया। दून मेडिकल कॉलेज का प्रतिनिधित्व जसलीन कौर, नूरुज़ जुहा और किर्तिका चौहान की टीम ने किया। इन छात्राओं ने अपने उत्कृष्ट चिकित्सा ज्ञान, क्लिनिकल समझ और बेहतरीन टीमवर्क का लोहा मनवाते हुए यह सम्मानजनक स्थान प्राप्त किया। इस शानदार उपलब्धि पर कॉलेज की प्राचार्य डॉ. गीता जैन ने विजेता छात्राओं को बधाई दी है।

दिव्यांशु हत्याकांड पर भाकियू (तोमर) का आक्रोश

– आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग

रुड़की। रुड़की में दिव्यांशु हत्याकांड को लेकर भारतीय किसान यूनियन (तोमर) के कार्यकर्ताओं ने शोकसभा कर आक्रोश जताया। पदाधिकारियों ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग उठाई। रविवार को युवा प्रदेश अध्यक्ष सुमित उपाध्याय के आवास पर आयोजित शोक सभा में कार्यकर्ताओं ने दिव्यांशु के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर सुमित उपाध्याय ने कहा कि इस घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान ने कहा कि 11 दिन बीतने के बाद भी सभी आरोपियों की गिरफ्तारी न होना चिंता का विषय है। गढ़वाल मंडल अध्यक्ष तस्लीम राव ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि हत्यारे खुलेआम घूम रहे हैं। जिला अध्यक्ष यूनूस प्रधान ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग करते हुए सरकार से उचित

मुआवजा देने की अपील की। युवा जिला अध्यक्ष तौसीफ खान ने चेतावनी दी कि जल्द गिरफ्तारी नहीं होने पर संगठन आंदोलन करेगा। सुमित उपाध्याय ने बताया कि इस संबंध में छह अप्रैल को 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल डीजीपी से मुलाकात करेगा। इस मौके पर रूप चंद तोमर, अंशुल उपाध्याय, अमित चौधरी, कुलदीप उपाध्याय, वीरेंद्र पाल, दीपक पाल, आश्रय उपाध्याय, अमन आर्यन सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

रुड़की। हाईवे पर एक तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक मौके पर ही बस लेकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंगलौर कस्बे के मोहल्ला पीरगढ़ी निवासी फरमान (30 वर्ष) शनिवार देर रात रुड़की से अपना काम निपटाकर बाइक से वापस घर लौट रहा था। जैसे ही वह रिलायंस पेट्रोल पंप और राजकीय महाविद्यालय के बीच पहुंचा तो पीछे से आ रही एक रोडवेज बस ने उसे टक्कर मार दी। बस की टक्कर के बाद युवक काफी दूर तक घिसटता चला गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा होता देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो बस चालक बस लेकर फरार हो गया।

दिनभर बदलता रहा मौसम का मिजाज

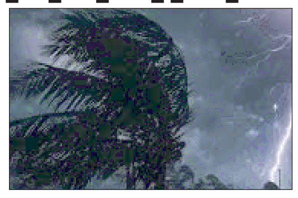

रुड़की। रविवार को रुड़की में मौसम का मिजाज पूरे दिन बदलता रहा। कभी तेज धूप खिली तो कभी आसमान पर बादलों ने डेरा डाल लिया। मौसम के इस उतार–चढ़ाव ने लोगों को गर्मी और राहत, दोनों का अहसास कराया। दिन की शुरुआत हल्की ठंडक और नमी के साथ हुई, लेकिन जैसे–जैसे सूरज चढ़ा, तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि बीच–बीच में बादल छाने से तेज गर्मी से कुछ राहत भी मिली। आईआईटी रुड़की स्थित कृषि–मौसम वेधशाला के रविवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.6 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री अधिक रहा। तापमान में यह अंतर दिन और रात के मौसम में बदलाव को दर्शाता है। सुबह के समय सापेक्षिक आर्द्रता 82 प्रतिशत रहने से वातावरण में नमी अधिक महसूस की गई, जिससे हल्की उमस बनी रही। वहीं शाम को आर्द्रता घटकर 45 प्रतिशत रह गई, जिससे मौसम अपेक्षाकृत सहज महसूस हुआ। दिनभर दक्षिण–पूर्व दिशा से हवाएं चलती रहीं। अच्छी बात यह रही कि दिनभर में वर्षा नहीं हुई और मौसम शुष्क बना रहा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक मौसम इसी तरह बदलता रह सकता है।

भूकंप से डोली बागेश्वर की धरती

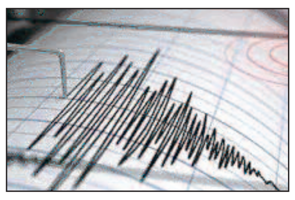

बागेश्वर। उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में रविवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए और रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 रही। इससे लोगों में थोड़ा डर फैल गया। छत्तीसगढ के दक्षिणी हिस्सों सहित जगदलपुर और आसपास के क्षेत्रों में भी शनिवार देर रात को हल्के झटके महसूस किए गए। राहत की बात यह कि दोनों ही राज्यों में आए भूकंप के झटकों से किसी प्रकार के जान–माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में रविवार को 11:47 मिनट पर भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.7 मापी गई। इससे इलाके में डर का माहौल बन गया। भूकंप का केंद्र 30.047 उत्तरी अक्षांश और 79.901 पूर्वी देशांतर पर स्थित था। इसकी गहराई जमीन से लगभग 10 किलोमीटर नीचे बताई गई है। बागेश्वर के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शिखा सुयाल ने बताया कि भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण फिलहाल किसी प्रकार के जान–माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

कोचिंग गई छात्रा लापता, अपहरण का केस दर्ज

रुड़की। कोचिंग गई एक नाबालिग छात्रा के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामले में पुलिस ने पिता की तहरीर के आधार पर अपहरण का मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

मूलरूप से यूपी के बरेली व हाल कलियर निवासी एक व्यक्ति ने तहरीर देकर बताया कि उनकी 12 वर्षीय पुत्री 3 मार्च की शाम दरगाह क्षेत्र स्थित कोचिंग सेंटर पर पढ़ने के लिए गई थी लेकिन कोचिंग के बाद वह घर वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी आसपास और रिश्तेदारों में काफी तलाश की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग पाया। कोतवाली प्रभारी कमल मोहन भंडारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

भ्रामक वीडियो पर पार्षदों का विरोध, पर्यटकों से अफवाहों में न आने की अपील

अल्मोड़ा। नगर निगम के पार्षदों और मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो को लेकर कड़ा विरोध जताते हुए इसे शहर की छवि धूमिल करने का प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि अल्मोड़ा जैसे सांस्कृतिक और पर्यटन महत्व के शहर को बदनाम करने की यह सुनियोजित कोशिश प्रतीत होती है।

पार्षद अमित साह मोनू, अर्जुन सिंह बिष्ट और मां नंदादेवी मंदिर समिति के अध्यक्ष मनोज वर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि निजी स्वार्थ और ओछी राजनीति से प्रेरित होकर इस प्रकार का कृत्य करना न केवल अनुचित है, बल्कि शहर की गरिमा के खिलाफ भी है। उन्होंने कहा कि अल्मोड़ा शहर सभी का अभिमान है और इसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पर्यटकों से अपील की कि वे अल्मोड़ा आएं और यहां की

प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत तथा आतिथ्य का अनुभव करें, साथ ही किसी भी भ्रामक प्रचार पर ध्यान न दें। उन्होंने यह भी बताया कि मॉल रोड क्षेत्र में महिलाओं के लिए हाईटेक शौचालय पूरी तरह संचालित है और बाजार क्षेत्र में अतिरिक्त शौचालयों के निर्माण का कार्य भी जल्द शुरू किया जाएगा। इस दौरान अमित साह मोनू, अर्जुन सिंह बिष्ट, मनोज वर्मा, मनोज सनवाल, कृष्ण बहादुर सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सार्वजनिक शौचालय व्यवस्था को लेकर उठे सवाल

अल्मोड़ा। नगर क्षेत्र में एक विदेशी महिला को टॉयलेट सुविधा न मिलने से जुड़ा वीडियो सामने आने के बाद सार्वजनिक सुविधाओं को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस मामले को शहर की छवि से जोड़ने के बजाय मूलभूत सुविधाओं की कमी के रूप में देखने की बात कही जा रही है। पार्षद वैभव पांडे ने जारी बयान में कहा कि वीडियो बनाने वाले व्यक्ति ने मौके पर महिला की मदद की, जो एक मानवीय पहल थी और इसे राजनीति से जोड़ना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि होटल या रेस्टोरेंट में टॉयलेट उपलब्ध होने की बात व्यवहारिक नहीं है, क्योंकि गांवों से आने वाले लोग, महिलाएं और बुजुर्ग संकोच के कारण ऐसी जगहों का उपयोग करने से हिचकते हैं। उन्होंने डायबिटीज समेत अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके लिए सार्वजनिक शौचालय की

उपलब्धता अनिवार्य है। बार–बार टॉयलेट की आवश्यकता होने पर सुविधा का अभाव गंभीर परेशानी पैदा करता है। पार्षद ने कहा कि यदि कोई नागरिक व्यवस्था की कमियों को सामने लाता है, तो उसे राजनीतिक दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए। समस्याएं उठाना जनमानस का अधिकार है और हर मुद्दे को राजनीति से जोड़ना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व की स्थितियों का हवाला देना समाधान नहीं है, बल्कि वर्तमान में जिम्मेदारी संभाल रहे प्रतिनिधियों को समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने नगर में सार्वजनिक शौचालयों के लिए स्पष्ट दिशा सूचक बोर्ड लगाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इससे बाहरी लोगों और पर्यटकों को सुविधा मिलेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि अब आरोप–प्रत्यारोप के बजाय ठोस कदम उठाने की जरूरत है और नगर में पर्याप्त, स्वच्छ एवं सुलभ सार्वजनिक शौचालयों की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जानी चाहिए।

भाकियू ने की गेहूं खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाने की मांग

काशीपुर। भाकियू ने गेहूं खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाने को लेकर एसएमओ को मांग पत्र सौंपा है। बता दें कि इस बार विधानसभा क्षेत्र में मात्र पांच गेहूं क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनमें तीन यूसीएफ तो दो खाद्य विभाग के हैं। सभी केंद्र मंडी समिति परिसर में लगे हैं। शनिवार को भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने एसएमओ रविराज को मांग पत्र देकर गेहूं खरीद केंद्रों की संख्या को कम बताते हुए दस केंद्र ओर स्थापित करने की मांग की है। कहा कि इस बार गेहूं की पैदावार अधिक है।

कपकोट में मंजू के बाद अब नंदन सिंह बैठे भूख हड़ताल पर

बागेश्वर। शामा बाजार से शराब की दुकान हटाने की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन लगातार जारी है। भूख हड़ताल पर बैठे भूपेंद्र कोरंगा के बाद अब मुन्नी कोरंगा की भी तबीयत बिगड़ गई। उनका ब्लड प्रेशर लो होने पर उन्हें आंदोलन स्थल से हटाकर उपचार के लिए भेजा गया। उनके स्थान पर अब नंदन सिंह ने अनशन शुरू कर दिया है। यह आंदोलन नौवें दिन भी जारी रहा। शुक्रवार रात पुलिस–प्रशासन ने भूपेंद्र कोरंगा का स्वास्थ्य परीक्षण कराया। बीपी कम होने पर उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामा से सीएचसी कपकोट रेफर किया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। शनिवार सुबह महिला मंगल दल से जुड़ी महिलाएं आंदोलन स्थल पर पहुंचीं और मंजू कोरंगा भूख हड़ताल पर बैठ गईं। रविवार को स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान उनका भी ब्लड प्रेशर लो पाया गया, जिसके बाद उन्हें भी उपचार के लिए भेजना पड़ा। आंदोलनकारियों का कहना है कि प्रशासन उनके आंदोलन को दबाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन वे किसी भी स्थिति में पीछे नहीं हटेंगे। क्षेत्र में शराब की दुकान का विरोध जारी रहेगा। आंदोलन स्थल पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने पहुंचकर एक स्वर में दुकान हटाने की मांग दोहराई।

गैस एजेंसियों पर कम संख्या में पहुंच रहे सिलेंडर, मायूस लौट रहे लोग

हरिद्वार। गैस एजेंसियों पर घरेलू गैस सिलेंडर कम संख्या में पहुंच रहे है। इस वजह से गैस एजेंसियों पर परेशानी बन रही है। सिलेंडर की कम संख्या के कारण सैकड़ों लोगों को बिना गैस के मायूस लौटाना पड़ रहा है। लोग सिलेंडर के लिए एजेंसियों के चक्कर काट रहे है। वहीं, सिलेंडर सप्लाई कम होने के बाद एजेंसियों पर बुकिंग का बैकलॉग बढ़ रहा है। रविवार को पुष्पक गैस एजेंसी कनखल पर गैस सिलेंडर का एक वाहन कम पहुंचा। पिछले दो दिनों से एजेंसी पर गैस सिलेंडर लेकर पहुंचने वाले वाहनों की संख्या कम हो गई है। दो दिन पहले एजेंसी पर चार वाहन गैस सिलेंडर के पहुंच रहे थे। शहर में एजेंसी रोजाना 1200 गैस सिलेंडर की सप्लाई कर रही थी। बीते दो दिनों से रोजाना तीन वाहन गैस सिलेंडर लेकर पहुंचे है। इस कारण एजेंसी पर रोजाना 300 गैस सिलेंडर की कमी बन रही है। दो दिनों से रोजाना 300 उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर सप्लाई नहीं हो रहा है। प्रभावित उपभोक्ता एजेंसी पर जानकारी जुटाने के लिए चक्कर काट रहे है। प्रबंधक राकेश सिंह ने बताया कि सिलेंडर का एक वाहन कम होने से बड़ी समस्या बन गई है।

रोडवेज बसों में नये टायर लगाने का काम शुरू

काशीपुर। रोडवेज में बसों में नए टायर लगाने का चालू हो गया है। किसी भी वाहन का पूरा बोझ टायर पर टिका होता है। टायर पर रबर चढ़ाकर वाहन का संचालन किया जाना हादसों को दावत देने के समान है। अब काशीपुर डिपो को नए टायर मिल गए हैं। सभी रूटों की बसों में नए टायर लगाए जा रहे हैं, ताकि हादसों से बचा जा सके। डिपो के सीनियर फोरमैन मोहम्मद यामीन ने बताया कि डिपो के पास पर्याप्त मात्रा में नए टायर मौजूद है। जिन बसों में रबड़ चढ़े टायर लगे हैं, उनके टायर बदलकर नए टायर लगाए जा रहे हैं।

समता दिवस के रूप में मनाया गया बाबू जगजीवन राम का 118वां जन्मोत्सव

हरिद्वार। जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग ने बहादराबाद स्थित ग्राम अलीपुर में देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम का 118वां जन्मोत्सव समता दिवस के रूप में मनाया। कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बालेश्वर सिंह एवं तीर्थपाल रवि ने कहा कि बाबू जगजीवन राम ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

देश की आजादी के लिए जेल भी गए। उन्होंने उप प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, कृषि मंत्री, समाज कल्याण मंत्री और रेलवे मंत्री जैसे अहम पदों पर रहते हुए देशहित में उल्लेखनीय कार्य किए। पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रियव्रत एवं मनोज सैनी ने कहा कि बाबू जगजीवन राम महान समाज सुधारक थे। उन्होंने केंद्र सरकार में रहते हुए

कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई। वर्ष 1971 के भारत–पाक युद्ध 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता में उनका और इंदिरा गांधी का योगदान अविस्मरणीय है।

शोपीस बनी निगम की स्ट्रीट लाइट, अंधेरे में वार्ड

कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र में लगी स्ट्रीट लाइट

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न वार्डों में रोशनी के लिए लगाई गई स्ट्रीट लाइट केवल शो-पीस बनकर रह गई है। नतीजा, रात के अंधेरे में आमजन का आवागमन करना भी मुश्किल हो गया है। शिकायत के बाद भी नगर निगम स्थिति को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा है। सबसे अधिक परेशानी जंगल से सटे वार्डों में बनी हुई है। तीन वर्ष पूर्व नगर निगम ने 48 लाख की लागत से वाडी में दो हजार स्ट्रीट लाइट लगवाई गई थी। स्ट्रीट लाइट लगने के कुछ दिन तो वार्डों में खूब रोशनी रही। लेकिन, वर्तमान में अधिकांश स्ट्रीट लाइट शोपीस बन चुकी है। ऐसे में वार्डों में चारों ओर अंधेरा छाया रहता है। रात के समय लोगों का सड़क पर गलियों में चलना भी मुश्किल हो जाता है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि नगर निगम बेहतर विकास के दावे कर रहा है। लेकिन, एक स्ट्रीट लाइट तक ठीक नहीं करवाई जा रही है। निगम की कई स्ट्रीट लाइट तो सुबह के समय प्रकाश फैलाती हैं और रात के अंधेरे में बंद हो जाती हैं।

जगंली जानवरों का खतरा

जंगल से सटे लालपानी, रामपुर, सनेह, ध्रुवपुर, ग्रास्टनगंज, गिवईस्त्रोत, सिगड्डी, झंडीचौड़ क्षेत्र में लाइट खराब होने से जंगली जानवरों का खतरा बना हुआ है। कई बार जंगली जानवर रात के अंधेरे में मार्ग पर आ धमक जाते हैं। बावजूद इसके नगर निगम समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। यही नही वार्ड में कई स्थानों पर आस-पास दो-तीन लाइटें लगी हुई हैं, जबकि जिन जगहों पर सबसे अधिक अंधेरा है, वहां पर लाइट नहीं लगाई गई हैं।

निराश्रित गोवंश के संरक्षण की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः भाबर क्षेत्र के काश्तकारों ने सड़क पर घूम रहे निराश्रित गोवंश के संरक्षण की मांग की है। कहा कि रात के अंधेरे में गोवंश खेतों में पहुंचकर काश्तकारों की सफल को बर्बाद कर रहे हैं। वहीं, गोवंश राहगीरों के लिए भी एक चुनौती बनते जा रहे हैं।

इस संबंध में काश्तकारों ने महापौर शैलेंद्र सिंह रावत को ज्ञापन दिया। बताया कि कई लोग गोवंश को सड़क पर बेसहारा छोड़ देते हैं। नतीजा, सड़क पर गोवंश की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है। एक ओर जहां गोवंश राहगीरों के लिए मुसीबत बन रहे हैं। वहीं, यह काश्तकारों की फसल को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। शाम ढ़लते ही गोवंश काश्तकारों के खेतों में घुस जाते हैं। ऐसे में काश्तकार रात के समय भी फसल की रखवाली के लिए मजबूर हो रहे हैं। बताया कि कुछ सप्ताह पूर्व गोवंश ने बलासौड़ मार्ग पर एक व्यक्ति पर हमला कर दिया था। इस तरह की घटनाएं आय दिन सामने आ रही हैं। कहा कि जनता के हित को देखते हुए निराश्रित गोवंश के संरक्षण पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इस मौके पर महेश रावत, ललिता देवी, पुष्पा देवी, इंदू नेगी आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में जंगल से सटे मार्गों पर गुलदार की धमक, सावधानी से करें सफर

कोटद्वार में कण्वाश्रम मार्ग पर हाथी सुरक्षा दीवार के ऊपर बैठे गुलदार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कोटद्वार व आसपास के क्षेत्रों में जंगल से सटे मार्गों पर गुलदार की धमक बनी हुई है। कुछ दिन पूर्व गुलदार कण्वाश्रम के समीप घूमता हुआ दिखाई दिया। ऐसे में उक्त मार्गों से रात के समय सफर करने वालों को सावधानी बरतनी होगी। कुछ दिन पूर्व गुलदार का हाथी सुरक्षा दीवार के ऊपर घूमता हुआ एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ था।

कोटद्वार व आसपास का अधिकांश क्षेत्र लैंसडौन वन प्रभाग के जंगलों से घिरा हुआ है। यही कारण है कि मार्ग पर जंगली जानवरों की धमक बढ़ जाती है। वर्षा काल के दौरान घराट के जंगलों से निकलकर गुलदार आबादी के भीतर तक पहुंच रहा था। आबादी में अधिकांश पालतू कुत्तों को गुलदार ने अपना निवाला बना दिया था। यही नहीं, मानपुर चौराहे तक गुलदार की धमक बनी हुई थी। लेकिन, वर्षाकाल के बाद गुलदार की धमक आबादी में थम गई थी। ऐसे में आजकल फिर गुलदार जंगल के आसपास सड़क पर दिखाई देने लगा है। तीन दिन पूर्व कार सवार युवकों को घराट पुल से करीब दो किलोमीटर आगे कण्वाश्रम की ओर गुलदार घूमता हुआ नजर आया। वहीं, इंटरनेट मीडिया पर गुलदार का एक वीडियो जारी हो रहा है। ऐसे में आमजन को सावधान रहने की आवश्यकता है।

अग्निवीरों के लिए डिप्लोमा कोर्स शुरू, ऑनलाइन पंजीकरण 25 तक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः अग्निवीरों के लिए हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय ने डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू कर दिया है। गढ़वाल राइफल्स के अग्निवीर बैच एवी-08 के प्रशिक्षु डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए आनलाइन पंजीकरण 25 अप्रैल तक कर सकते हैं।

सभी पात्र अभ्यर्थियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना पंजीकरण अनिवार्य रूप से पूरा करने को विवि की ओर से कहा गया है। इस संबंध गढ़वाल विश्वविद्यालय ने आदेश भी जारी किया है। दरअसल एचएनबीजीयू एवं गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर (जीआरआरसी), लैंसडाउन के बीच पूर्व में अग्निवीरों को कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ था। समझौते के तहत विवि द्वारा अग्नवीरो के लिए विशेष पाठ्यक्रम भी तैयार किया गया है, अब इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार, यह पंजीकरण प्रक्रिया 04 अप्रैल से 25 अप्रैल तक संचालित होगी। सभी पात्र अभ्यर्थियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना पंजीकरण अनिवार्य रूप से पूरा करने को कहा गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने जीआरआरसी, लैंसडाउन के संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया है कि पंजीकरण प्रक्रिया को एमओयू की शर्तों तथा विश्वविद्यालय के नियमों के अनुरूप ही पूर्ण कराया जाए।

कर्णप्रयाग में दो घंटे तक हुई बारिश

कर्णप्रयाग , रविवार सुबह धूप खिली लेकिन दोपहर बाद मौसम बदला। कर्णप्रयाग एवं आसपास दोपहर करीब साढ़े बारह बजे से ढाई बजे तक तेज बारिश हुई। स्थानीय रमेश ने बताया कि बारिश के कारण अप्रैल माह में भी नवंबर जैसा एहसास रहा। वहीं बारिश से सिमली रोड किनारे के दुकानदारों को भी परेशानी उठानी पड़ी। सड़क का ढलान दुकानों की ओर और नालियां बंद होने से बारिश का पानी दुकानों में घुस गया। वहीं गैरसैंण में पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर दो बजे तक नगर सहित विधानसभा परिसर भराड़ीसैंण, सारकोट, परवाड़ी, घंडियाल , महरगांव, पज्याणा डुंग्री मठकोट, अंद्रपा, कूंजापाणी में जमकर बारिश हुई।

रोशनी से जगमग हुआ आदिबदरी मंदिर समूह

चमोली। मंदिर समूह में पुरातत्व विभाग ने लाइटें लगा दी हैं। लाइटें लगने से अब मंदिर समूह रात में दूधिया रोशनी से जगमग हो गया है और आकर्षण का केंद्र बना है।

बीते अक्तूबर माह में भारतीय पुरातत्व विभाग के डीजी (महानिदेशक) यदुवीर सिंह रावत ने यहां पहुंचकर मंदिर समूह व चांदपुर गढ़ी का निरीक्षण किया था। डीजी ने अधीनस्थ अधिकारियों को दोनों स्थानों पर व्यवस्थाएं ठीक करने व विशेष सुविधाएं जुटाने को कहा था। अब पुरातत्व विभाग ने मंदिरों में लाइटें लगा दी हैं। पुरातत्व विभाग के सीए प्रमोद सेमवाल ने बताया कि मंदिर परिसर में पांच से अधिक बड़ी लाइटें, सभी मंदिरों और गढ़वाल कीर्तन मंडप में प्रकाश व्यवस्था का काम पूरा हो चुका है।

हड़ताल पर इंजीनियर, करोड़ों बजट लैंप्स होने की कगार पर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः सहायक अभियंताओं के वेतन बढ़ोत्तरी, पुरानी पेंशन बहाली, कार्यरत इंजीनियरों को दुर्घटना बीमा करवाने सहित 27 सूत्रीय मांगों को लेकर डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ की हड़ताल जारी है। इंजीनियरों की हड़ताल के कारण विभागीय कार्य बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। हालात यह है कि इंजीनियरों की हड़ताल के कारण करोड़ों का बजट लैप्स होने के कगार पर पहुंच गया है।

कोटद्वार में सिंचाई विभाग के विश्राम गृह परिसर में प्रदर्शन करते डिप्लोमा इंजीनियर

जिलाध्यक्ष कौशिद अली के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, लघु सिंचाई, नलकूप खंड, पीएमजीएसवाई सहित विभिन्न विभाग के डिप्लोमा इंजीनियर सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस परिसर में एकत्र हुए और शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष कौशिद अली ने कहा कि डिप्लोमा इंजीनियर विगत कई वर्षों से सहायक अभियंताओं की वेतन बढ़ोत्तरी, पुरानी पेंशन बहाली सहित 27 सूत्रीय मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। लेकिन, शासन-प्रशासन की तरफ से मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया है, जिसके कारण डिप्लोमा इंजीनियरों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में जनपद में अकेले लोक निर्माण विभाग के नौ डिवीजनों में लगभग एक हजार करोड़ के डामरीकरण के कार्य होने हैं। लेकिन, डिप्लोमा इंजीनियरों की हड़ताल से समस्त कार्य बाधित हैं। अन्य माध्यमों से जो भी कार्य करवाए जा रहे हैं, उनकी गुणवत्ता में गिरावट आना तय है। कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर संतोष भारद्वाज, अशोक ध्यानी, संतोश लखेड़ा, राहुल राणा, उमेश घिल्डियाल, विपिन धूलिया, अजीत सिंह, संदीप कुमार, अशीष थपलियाल, प्रमोद नेगी, गौरव शर्मा, नाहिद अहमद मौजूद रहे।

गढ़वाली फिल्म 'असंद ऐगी' की शूटिंग जारी

श्रीनगर गढ़वाल। भागीरथी कला संगम के बैनर तले एमजी फिल्म यूट्यूब चैनल के लिए गढ़वाली शॉर्ट फिल्म 'असंद ऐगी' की शूटिंग इन दिनों पौड़ी जिले के आसपास के क्षेत्रों में हो रही है। फिल्म वर्तमान समय में गैस किल्लत और उससे जूझ रहे आम लोगों की समस्याओं पर आधारित है। फिल्म के निर्देशक मदन गड़ोई ने बताया कि गैस की समस्या जरूर बनी हुई है लेकिन ऐसे समय में लोगों को धैर्य बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी विषय को केंद्र में रखकर फिल्म की कहानी तैयार की गई है जो दर्शकों को जरूर पसंद आएगी। फिल्म में मुकेश नौटियाल, राजेंद्र बड़थ्वाल, शशि बिष्ट, धर्मेंद्र, ममता, विजय लक्ष्मी, जितेंद्र और अरुण कुमार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। स्थानीय स्तर पर बन रही यह फिल्म न केवल मनोरंजन करेगी बल्कि समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश भी देने का प्रयास करेगी।

रामलीला मैदान में मनाई जाएगी डॉ. आंबेडकर की जयंती

श्रीनगर गढ़वाल। भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को रामलीला मैदान में मनाई जाएगी। रविवार को भीम आर्मी भारत एकता मिशन के जिलाध्यक्ष सुरेश मुयाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा और तैयारियों पर चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि उक्त तिथि को सुबह 10 बजे रामलीला मैदान में कार्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी। इसके बाद भव्य शोभायात्रा सहित कई कार्यक्रम होंगे।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए शिक्षकों ने निकाली रैली

रुद्रप्रयाग। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर शिक्षक संगठनों ने जिला मुख्यालय में संयुक्त रूप से बैठक की फिर धरना–प्रदर्शन कर रैली निकाली। शिक्षक संगठनों की नगरपालिका परिसर में हुई सामूहिक बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार को पुरानी पेंशन बहाली की मांग जल्द पूरी करनी चाहिए। यदि मांग जल्द पूरी नहीं की गई तो आंदोलन तेज करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। बैठक के बाद शिक्षकों ने सांकेतिक प्रदर्शन कर धरना दिया और सामूहिक रैली निकालकर सरकार से पुरानी पेंशन बहाली की मांग की। रैली में शिक्षक संगठनों के विभिन्न पदाधिकारियों में विक्रम सिंह झिकवान, मनवीर सिंह रावत और पीएल आर्य आदि मौजूद थे।

11 अप्रैल को कोटद्वार में होगा पासपोर्ट कार्यालय का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कोटद्वार व आसपास के लोगों व युवाओं को अब पासपोर्ट बनवाने के लिए देहरादून के चक्कर नहीं काटने पड़ेगे। यदि सभी कुछ योजना अनुरूप रहा तो 11 अप्रैल को सांसद अनिल बलूनी पासपोर्ट कार्यालय का उद्घाटन कर देंगे। इसके साथ ही कोटद्वार में पासपोर्ट बनाने का कार्य शुरू हो जाएगा। जिससे लोगों को काफी राहत मिलेगी।

बताते चलें कि कोटद्वार में पासपोर्ट केंद्र शुरू न होने के कारण कोटद्वार व आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को पासपोर्ट बनवाने के लिए देहरादून के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। क्षेत्रीय जन की मांग पर सांसद अनिल बलूनी के प्रयासों से बीते वर्ष केंद्र से कोटद्वार में पासपोर्ट सेवा केंद्र को स्वीकृति मिली।

केंद्र से मिली स्वीकृति के बाद भारतीय डाक विभाग की कोटद्वार शाखा की ओर से पासपोर्ट केंद्र के लिए स्थल की तलाश शुरू कर दी गई। तहसील परिसर में पासपोर्ट केंद्र के लिए भवन मिल गया। प्रशासन ने जिला विकास प्राधिकरण के भवन के दो कमरों का जीर्णोद्धार

कर वहां पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित कर दिया गया। साथ ही नवंबर माह के अंतिम सप्ताह में यह भवन को डाक विभाग के सुपुर्द कर दिया गया। इसके बाद पासपोर्ट सेवा केंद्र में जरूरी उपकरण स्थापित कर किए गए व बीते मार्च माह में केंद्र में ट्रायल कर दिया गया। ट्रायल के दौरान दस युवाओं के पासपोर्ट बनाने की प्रक्रिया की गई। अब पासपोर्ट सेवा केंद्र को विधिवत शुरू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कुछ दिन पूर्व अधिकारियों की टीम ने भी केंद्र का निरीक्षण किया था। बताया गया कि संभवतः 11 अप्रैल को सांसद अनिल बलूनी केंद्र का उद्घाटन करें और केंद्र में पासपोर्ट बनाने का कार्य शुरू कर दिया जाए।

लाटू मंदिर में चढ़ावे के तौर पर बकरी लाने पर रोक

चमोली(आरएनएस)।मंदिर समिति व ग्राम पंचायत वाण की बैठक में लाटू देवता मंदिर में सदियों से चल रही बकरी के चढ़ावे की प्रथा को प्रतिबंधित कर दिया गया है। लाटू देवता मंदिर में इस बार से चढ़ावे के रूप में बकरी नहीं लाई जाएगी। लाटू मंदिर के कपाट वैशाख पूर्णिमा एक मई को खुलेंगे। इसके लिए समिति और ग्रामीणों ने तैयारी शुरू कर दी है। लाटू देवता मंदिर के कपाट खुलने व बंद होने के अवसर पर श्रद्धालु यहां पर चढ़ावे के रूप में बकरी लाते हैं। मगर इस बार वाण के ग्रामीणों ने मंदिर में चढ़ावे के रूप में बकरी देने पर प्रतिबंध लगा दिया है। वाण की ग्राम प्रधान नंदुली देवी व क्षेपंस हेमा देवी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कहा गया कि मंदिर के कपाट खुलने पर मंदिर में अनुष्ठान होगा। बताया गया कि वैशाख की पूर्णिमा एक मई को मंदिर के कपाट खुलेंगे। बैठक में लाटू मंदिर समिति के अध्यक्ष कृष्णा सिंह, व्यापार संघ अध्यक्ष हीरा बुग्याली, खिलाप सिंह, हीरा पहाड़ी, हीरा गढ़वाली, अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, अवतार सिंह, ममंद अध्यक्ष नंदी देवी, हयात सिंह, सुरेंद्र सिंह और सरस्वती देवी आदि शामिल रहे।

पूर्व सैनिकों ने आर्मी पब्लिक स्कूल को हराया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट सेंटर की ओर से आयोजित गढ़वाल कप मैत्री फुटबॉल प्रतियोगिता में पूर्व सैनिकों का दबदबा देखने को मिला। प्रतियोगिता में पर्व सैनिकों ने आर्मी पब्लिक स्कूल को हराया।

मुख्य अतिथि गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी ने कहा कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य वीर पूर्व सैनिकों के प्रति सम्मान प्रकट करना और युवा पीढ़ी के साथ उनके संबंधों को प्रगाढ़ करना है। प्रतियोगिता में कुल 32 पूर्व सैनिकों की दो टीमें और आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन की टीम ने भाग लिया। पहले 32 पूर्व सैनिकों की टीमें मैत्रीपूर्ण मैच में आमने-सामने रहीं। विजयी टीम का मुकाबला आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन की युवा टीम के साथ खेला गया। निर्धारित एवं अतिरिक्त समय तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं।

पेनल्टी शूटआउट में पूर्व सैनिकों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-2 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी ने विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। पूर्व सैनिकों के जज्बे की सराहना करते हुए उन्होंने छात्रों से उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन रेजिमेंटल जयघोष के साथ हुआ।

महिलाओं ने लगाया अभद्रता का आरोप, एसपी टिहरी से सुरक्षा की गुहार

पौड़ी।तीर्थनगरी में शराब की दुकान के विरोध में महिलाओं का संघर्ष लगातार जारी है। रविवार को उनका क्रमिक अनशन 22वें दिन में प्रवेश कर गया। इस बीच आंदोलन को कमजोर करने के लिए शराब कारोबारियों की शह पर महिलाओं पर फब्तियां कसने और गाली–गलौज किए जाने की घटनाओं से क्षेत्रवासियों में आक्रोश है। आंदोलन का नेतृत्व कर रही जिला पंचायत सदस्य पुष्पा रावत ने पुलिस अधीक्षक टिहरी श्वेता चौबे को पत्र लिखकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दोषियों पर अविलंब कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। पुष्पा रावत ने आरोप लगाया कि शराब ठेकेदार गौरव डोभाल और उसके कर्मचारी आंदोलन को तोड़ने के लिए अनैतिक हथकंडे अपना रहे हैं। अनशन स्थल के समीप रहने वाली महिलाओं और राहगीरों पर शराबी फब्तियां कस रहे हैं और अशोभनीय हरकतें की जा रही हैं। सार्वजनिक वाहनों और रास्तों पर खुलेआम शराब पीकर महिलाओं पर सिगरेट का धुआं छोड़ने जैसी शिकायतें भी सामने आई हैं। आंदोलनकारियों कहा कि पुलिस प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए तो सक्रिय रहती है लेकिन हुड़दंगियों और सार्वजनिक स्थानों पर मांस–मदिरा का सेवन करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए क्षेत्र में तत्काल सीसीटीवी कैमरे लगाने और कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों को दंडित करने की मांग की। मांगपत्र पर जिला पंचायत सदस्य पुष्पा रावत, क्षेत्र पंचायत सदस्य सीताराम रणाकोटी सहित जगदंबा देवी, ऊषा देवी, सुनीता देवी, विमला, शाकम्बरी भवानी, प्रतिमा कैलाशी, सुआ देवी, भद्धू देवी, सरस्वती, सुरेखी और कमला आदि के हस्ताक्षर हैं।

मांडाकोटी के पास नदी में खनन का विरोध

पौड़ी। विकास खंड के ग्राम पंचायत घिल्डियाल गांव के ग्रामीणों ने मांडाकोटी के समीप अलकनंदा नदी में खनन का विरोध किया। रविवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अलकनंदा नदी के तट पर पहुंचकर खनन कार्य पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि नदी तट पर खनन से उनके गांव सहित आसपास की बस्तियों को खतरा हो रहा है। साथ ही चारापत्ती का संकट भी हो रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षेत्र में खनन पर रोक लगाने की मांग की। ग्राम प्रधान मंजू देवी रावत ने बताया कि सोमवार को खनन के विरोध में एसडीएम कीर्तिनगर को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में गिरा, चालक की मौत

पौड़ी। ऋषिकेश–बदरीनाथ हाईवे पर महादेव चट्टी के पास एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होकर करीब 300 मीटर नीचे खाई में जा गिरा। हादसे में चालक की मौत हो गई। बारिश और ओले गिरने के कारण ट्रक अनियंत्रित होने की आशंका है। बछेलिखाल चौकी प्रभारी दीपक लिंगवाल ने बताया कि रविवार सुबह महादेव चट्टी स्थित एक ढाबा संचालक ने वाहन दुर्घटना की सूचना दी थी। इस पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चलाया। घटनास्थल पर कबाड़ से भरा ट्रक खाई में गिरा दिखा। संयुक्त टीम ने खाई में उतरकर तलाशी ली तो मौके पर चालक का शव मिला। ट्रक से मिले आधार कार्ड के आधार पर मृतक की पहचान शीशपाल (56) निवासी अलीगढ़, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई। पुलिस ने शव खाई से बाहर निकाला। पुलिस ने

वाहन स्वामी और मृतक की पत्नी मनीषा से संपर्क किया तो पता चला कि शीशपाल वर्तमान में लोनी में रह रहा था और श्रीनगर से कबाड़ लेकर लौट रहा था। मनीषा ने बताया कि शनिवार रात करीब ग्यारह बजे उसकी पति से आखिरी बार बात हुई थी। उन्होंने क्षेत्र में तेज बारिश और ओले गिरने की बात कही थी।

टिहरी झील में 20 राज्यों के 500 पुलिस खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

नई टिहरी। टिहरी बांध की झील एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर के बड़े खेल आयोजन की साक्षी बनने जा रही है। 25वीं ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स क्लस्टर प्रतियोगिता के आयोजन के लिए झील को पूरी तरह तैयार किया जा रहा है। आठ अप्रैल से शुरू होकर पांच दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में देश के करीब 20 राज्यों से 500 से अधिक पुलिस खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का शुभारंभ आठ अप्रैल को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे। भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की पहल पर कोटीकॉलोनी में 25वीं ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स क्लस्टर का आयोजन किया जा रहा है। आईटीबीपी के डिप्टी कमांडेंट बलविंदर सिंह के

अनुसार आठ से 12 अप्रैल तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में रोईंग, कयाकिंग और कैनोइंग की रोमांचक जल क्रीड़ा मुकाबले आयोजित होंगे। प्रतियोगिताओं में विभिन्न राज्यों की पुलिस टीमों के साथ–साथ सीआरपीएफ, एसएसबी और आईटीबीपी की टीमें भी भाग लेंगी। प्रतियोगिता के लिए देशभर के खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। खिलाड़ियों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था टिहरी झील क्षेत्र में कराई जा रही है। आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने भी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। सुरक्षा, यातायात, आवास, चिकित्सा और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर योजना बनाई गई है। ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स क्लस्टर का शुभंकर भी जारी कर दिया गया है। टिहरी झील पहले भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जलक्रीड़ा आयोजनों की मेजबानी कर चुका है लेकिन इस बार बड़े स्तर पर पुलिस बलों के खिलाड़ियों की भागीदारी इसे और खास बनाने जा रही है।

साइबर ठगी के बढ़ते मामलों पर किया सतर्क

रुद्रप्रयाग। जनपद पुलिस के अभियान प्रहरी पड़ाव के तहत भटवाड़ी और गहुड्डू में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। घोलतीर चौकी प्रभारी जयवीर सिंह रावत ने भटवाड़ी और चोपता चौकी प्रभारी मुकेश डिमरी ने हुड्डू गांव में रात्रि चौपाल लगाई। इस दौरान पुलिस ने साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को लेकर लोगों को सतर्क किया और अनजान कॉल, लिंक व डिजिटल लेनदेन में सावधानी बरतने को कहा। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गौरा शक्ति ऐप और अन्य हेल्पलाइन की जानकारी दी गई। गांवों में किरायेदार सत्यापन, बाहरी व्यक्तियों की निगरानी और यातायात नियमों के पालन पर जोर दिया गया।

सार्वजनिक समारोहों में शराब पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

नई टिहरी। ग्राम पंचायत जड़धार में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने सार्वजनिक समारोहों में शराब नहीं परोसने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। निर्णय का उल्लंघन करने वालों से ग्राम पंचायत अर्थदंड वसूल करेगी। चंबा ब्लॉक के ग्राम पंचायत जड़धार गांव में ग्राम प्रधान धनवीर सिंह जड़धारी की अध्यक्षता में आम बैठक संपन्न हुई। जिसमें उपस्थित महिलाओं ने चिंता जताते हुए कहा कि शराब का प्रचलन बढ़ने से गांव का सामाजिक माहौल खराब हो रहा है। इससे सर्वाधिक युवा पीढ़ी प्रभावित हो रही है। इसलिए गांव में सार्वजनिक रूप से शराब परोसना उचित नहीं है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अब गांव में किसी भी शादी, मुंडन, जन्मदिन पार्टी आदि सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब परोसने पर रोक रहेगी। यदि कोई व्यक्ति नियम का उल्लंघन करता है और सार्वजनिक समारोह में शराब परोसता पाया जाता है तो उस पर 51 हजार का जुर्माना वसूला जाएगा।

महिला मंगल दल और गांव के अन्य लोगों ने इस निर्णय को सख्ती से लागू कराने की जिम्मेदारी ली है।

संपादकीय

अब रहम नहीं सख्त कार्रवाई

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में इन दोनों शाम ढलने के साथ ही पुलिस की सक्रियता देखने लायक है। पिछले कुछ दिनों में राजधानी में घटित हुई घटनाओं के बाद राजधानी पुलिस की काफी आलोचना हो रही थी और जब ऐसी घटनाओं में एक युवक और एक पूर्व फौजी की मृत्यु हो गई तो समूचा पुलिस हमला निशाने पर आ गया। पुलिस प्रबंधन को लेकर सवाल खड़े होने लगे जबकि इससे पूर्व सड़क पर होने वाले हुड़दंग और आपराधिक घटनाओं के कारण ही राजधानी देहरादून के कप्तान बदले गए थे लेकिन नए कप्तान के आने के बाद भी सड़कों पर हंगामा और मारपीट का क्रम समाप्त नहीं हुआ, बल्कि अब तो इसमें दो लोगों की जान भी चली गई। पुलिस ने इस बार इन दोनों ही घटनाओं को बेहद गंभीरता से लिया और अब स्थिति यह है कि शाम ढलने के साथ ही समस्त थाना क्षेत्र में दल बल के साथ पुलिस सड़कों पर मौजूद नजर आने लगी है। पुलिस की मुस्तैदी के परिणाम भी दिखने लगे हैं और रात के समय होने वाले हुड़दंग और बेवजह सड़कों पर घूमने वाले लोगों की संख्या में काफी कमी देखने को मिली है। जो कार्य पुलिस को अपनी नियमित दिनचर्या में शामिल करना चाहिए था उससे कहीं ना कहीं पुलिस किनारा कर चुकी थी और उसी के परिणाम स्वरूप राजधानी देहरादून में बाहर से आए छात्रों ने अपनी हनक मिटाने के लिए पूरी राजधानी को ही अराजकता का अड्डा बना दिया। स्थिति यह हो गई थी की देहरादून के लोग अपने ही शहर में खुद को भयभीत महसूस करने लगे थे खासतौर से दूसरे राज्यों की बाहर की गाड़ियां अराजकता की पहचान बनने लगी थी। पुलिस ने इस बार ऑपरेशन प्रहार अभियान शुरू किया है उसको अब एक नियमित पुलिसिंग का हिस्सा बनना चाहिए, और ऐसा भी नहीं है की थानों में पुलिस की कमी है। खासतौर से अब सड़कों पर महिला पुलिस को भी उतरने की जरूरत है क्योंकि कई घटनाओं में युवतियों द्वारा भी घटनाएं देखने को मिली है।एक समय में राजधानी देहरादून को शांत नगरों की श्रेणी में शामिल किया जाता था और इसे एक शिक्षा नगरी के तौर पर पहचाना जाता था लेकिन आज हालात यह है की शिक्षा का यही मूल विषय अशांति का कारण बन गया है। बाहरी राज्यों से आने वाले छात्रों पर पुलिस, कॉलेज, संस्थान एवं उनके खुद के अभिभावकों का नियंत्रण न होने के कारण इन बेलगाम छात्रों ने राजधानी देहरादून में ऐसी कोई हरकत बाकी नहीं छोड़ी जिसका जिक्रना किया जाए। ऐसे छात्रों और हुड़दंगियों के साथ किसी भी प्रकार का रहम नहीं किया जा सकता और अब पुलिस को उनके भविष्य से अधिक शहर की शांति और कानून व्यवस्था के बारे में ज्यादा गंभीरता से सोचना चाहिए।

चिंतन-मनन

अज्ञान का आवरण

गुरु के पास डंडा था। उस डंडे में विशेषता थी कि उसे जिधर घुमाओ, उधर उस व्यक्ति की सारी खामियां दिखने लग जाएं। गुरु ने शिष्य को डंडा दे दिया। कोई भी आता, शिष्य डंडा उधर कर देता। सब कुरूप-ही-कुरूप सामने दीखते। अब भीतर में कौन कुरूप नहीं है? हर आदमी कुरूप लगता। किसी में प्रोध ज्यादा, किसी में अहंकार ज्यादा, किसी में घृणा का भाव, किसी में ईर्ष्या का भाव, किसी में द्वेष का भाव, किसी में वासना, उत्तेजना। हर आदमी कुरूप लगता। बड़ी मुसीबत, कोई भी अच्छा आदमी नहीं दिख रहा है।

उसने सोचा, गुरुजी को देखूं, कैसे हैं? गुरु को देखा तो वहां भी कुरूपता नजर आई। गुरु के पास गया और बोला कि महाराज! आप में भी यह कमी है। गुरु ने सोचा कि मेरे अस्त्र का मेरे पर ही प्रयोग! गुरु आखिर गुरु था। उसने कहा कि डंडे को इधर-उधर घुमाते हो, कभी अपनी ओर भी जरा घुमाओ। घुमाकर देखा तो पता चला कि गुरु में तो केवल छेद ही थे, यहां तो बड़े-बड़े गड्ढे हैं। वह बड़े असमंजस में पड़ गया।

कहने का अर्थ यह कि हमारी इन्द्रियों की शक्ति सीमित है। दूर की बात नहीं सुन पाते। भीतर की बात नहीं देख पाते। बहुत अच्छा है, अगर कान की शक्ति बढ़ जाए, तो आज की दुनिया में इतना कोलाहल है कि नींद लेने की बात ही समाप्त हो जाएगी। देखने की शक्ति बहुत पारदर्शी बन जाए, तो इतने बीभत्स दृश्य हमारे सामने आएंगे कि फिर आदमी का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। कुरूपता तो चेतना के भीतर होती है। प्रकृति की विशेषता है कि हमारा अज्ञान का आवरण टूट नहीं पा रहा है।

युद्ध नहीं शान्ति से मानवता की रक्षा हेतु सयंम जरुरी

संजय गोस्वामी

आज पूरे मीडिया में यूएस- इजराइल और ईरान के युद्ध के 1महीने से ऊपर का समाचार देख देख कर शान्ति भंग हो रही अब तो इस बहस में राजनेता भी अपनी सफाई दे रहें हैं जो राज्यसभा के सांसद भी हैं डिफेन्स एक्सपर्ट का तो समझा जा सकता है लेकिन राजनीती पार्टियों में इस पर बहस करना बिलकुल गलत है इसलिए इसपर किसी भी प्रकार के बयानबाजी से परहेज करना चाहिए कौन आतंकवादी पाल रहा है कौन मिट्टी में मिला देगा इससे अपने को क्या लेना देना अमेरिका के कुछ विमान युद्ध में गिरे और 1पायलेट को वहाँ से निकाल भी लिया तो उसकी ताकत समझ में नहीं आ रही है ईरान मिसायल और ड्रोन से अटैक कर रहा है जहाँ अमेरिका और इजराइल की भीषण बमबारी हो रही है वहाँ यदि जाने गईं है तो निर्दोष नागरिकों की अधिक संख्या है ईरान पर अमेरिका के आर्थिक बैन के बाद ना तो कोई लड़ाकू विमान नजर आए ना ही बचाव हेतु कोई हेलीकाप्टर ईरान को समझदारी से काम लेना चाहिए अपने नहीं लोगों के हित में क्योंकि जब से उसका सबसे बड़ा पुल अमेरिका ने तोड़ दिया इससे आम नागरिकों को ही परेशानी होगी जिसे बनने में 10 साल से ज्यादा लगे होंगे, आज टेक्नोलॉजी का युग है और जो देश टेक्नोलॉजी में आगे होगा बेशक नुकसान होगा लेकिन अन्त में विजय वही होगा जहाँ आसमान में 100-150 विमान ईरान में बम गिरा रहें हैं वहाँ 2 -4 विमान तो नष्ट हो गया तो उससे उसे क्या फर्क पड़ेगा इजराइल एक छोटा सा देश होकर कई फ्रंट पर युद्ध लड़ रहा है तो नुकसान होगा ही युद्ध विनाशकारी होता है और अमेरिका कभी आधा नहीं छोड़ेगा और उसे भी नुकसान काफी हुआ है लेकिन जहाँ तक आतंकवादी के सपोर्ट करने का सवाल है वहाँ ईरान से ज्यादा तो पाकिस्तान है उसे अमेरिका को ठोकना चाहिए सारा युद्ध अरब में खलीफा बनने की होड़ और निर्दोष नागरिक की मौत का तांडव नृत्य से मानवता शर्मसार हो रही है ईरान और अमेरिका -इजराइल युद्ध से भारत का क्या लेना देना, ऐ उनका युद्ध है वो समझें 1984 में मैं जब टीवी जो ब्लैक एंड वाइट था वहाँ सलमा आगा टीवी पर इराक - ईरान युद्ध के बारे में अन्त में समाचार में सुनता था जो 10 साल तक चली युद्ध में किसी भी देश को कमजोर नहीं समझना चाहिए और शान्ति से ही समाधान निकालना चाहिए बड़बोलापन युद्ध में आग में घी डालने का काम करता है इससे बचना चाहिए विश्व शांति का मूल उपाय युद्ध और हथियार में नहीं समझदारी और इंसानियत में ही निहित है।विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस ओर अभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।इस युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है जो आप नहीं देख पा रहें हैं इसमें कई भारतीय भी हैं इससे युद्ध में झोंके गए लोगों का जीवन अस्त व्यस्थ हो गया है इस जंग में अमेरिका के सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दुसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 1महीने से ऊपर चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान मैं भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं जैसा चीन और अमेरिका के इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिए,इस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये युद्ध नहीं मानवता को समझना चाहिए, विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में निःशस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था। इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया। दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए। डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों ?ा इससे भी अधिक रहता है व जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता है इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु शांति का संकल्प लेने पर जोर दिया जाना चाहिए ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने व लाखों निर्दोष नागरिकों की मौत ना हो व मानवता जिन्दा रहे । विश्व में अस्त्र-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनाने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है । इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की सीख आचार्य तुलसी ने देश की आजादी के बाद मानवता आंदोलन चलाकर विश्व को एक नई दिशा दी। मानवता के आधार पर इन्सान यह सोचे कि मैं आक्रमणकारी नहीं बनूं और न ही सहयोग दूंगा। इस दृढ़ संकल्प द्वारा वह शांति का शंखनाद करने में कदापि पीछे नहीं रहेगा। वर्तमान में इसकी महत्ती आवश्यकता है। इसी प्रकार एक-दूसरे देश पर आक्रमण करता है तब अन्य देश आपस में लड़ने वाले किसी एक देश की आक्रामक नीति में भागीदार बनता है, उसे ममदद देता है, सहयोगी के रूप से दुश्मन समझने वाले देश से युद्ध करता है तब वहाँ सर्वत्रा विनाश ही विनाश होने की संभावना बढ़ती है। ऐसी विषम स्थिति में विश्व शांति को कभी भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। विनाश की इस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए आक्रामक देश को समर्थन सहयोग नहीं देने का संकल्प अणुव्रतों को आधार मानकर किया जाय तो विश्व शांति की स्थिति बन सकती है और इन्सानों को अकाल मृत्यु, बेमौत मरने से बचाया जा सकता है।

भाजपा के 47 सालः शिखर पर जीत, सिद्धांतों पर सवाल

दिलीप कुमार पाठक

6 अप्रैल 1980 को मुंबई के समंदर किनारे जब अटल बिहारी वाजपेयी ने अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा का उद्घोष किया था, तो वह केवल एक चुनावी नारा नहीं बल्कि एक वैकल्पिक राजनीति का संकल्प था। आज 2026 में जब भारतीय जनता पार्टी अपना 47वां स्थापना दिवस मना रही है, तो इसमें कोई दो राय नहीं कि वह दुनिया के सबसे बड़े और अजेय नजर आने वाले राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित हो चुकी है। लेकिन इस अभूतपूर्व सफलता के ऊंचे बुर्ज पर बैठकर जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो कुछ बुनियादी सवाल आज भी पार्टी की उस अलग तरह के दल वाली छवि का पीछा कर रहे हैं। क्या सत्ता के इस विशाल साम्राज्य को खड़ा करने की प्रक्रिया में वे आदर्श कहीं पीछे छूट गए हैं, जो इस दल की नींव में रखे गए थे? भारतीय राजनीति के इस लंबे सफर में भाजपा ने शून्य से शिखर तक की जो यात्रा तय की है, वह संगठनात्मक कौशल का अद्भुत उदाहरण तो है, पर क्या यह सफर अपनी मूल शुचिता को भी साथ लेकर चल पाया है?

भाजपा की वैचारिक यात्रा का मूल आधार अंत्योदय और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के दो मजबूत स्तंभ थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सपना था कि विकास की कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति का उदय हो। हालांकि, उज्ज्वला से लेकर मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में मदद जैसी बड़ी योजनाओं ने एक बड़ा लाभार्थी वर्ग तैयार किया है, जिसे पार्टी अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानती है। लेकिन क्या कल्याणकारी योजनाओं का यह दाता और याचक वाला मॉडल असल सशक्तिकरण है? आज की राजनीति सेवा से ज्यादा आयोजन प्रबंधन और डिजिटल प्रचार पर टिकी नजर आती है। जिस नैतिक बल और सादगी की मिसाल पुराने दौर के नेता देते थे, उसकी जगह अब चकाचौंध और भारी-भरकम चुनावी मशीनरी ने ले ली है। विकास के दावों के बीच यह सवाल अक्सर दबी जुबान में पूछा जाता है कि क्या हम बुनियादी मुद्दों के बजाय केवल भावनात्मक और सांकेतिक राजनीति के जाल में तो नहीं उलझ गए हैं? एक जीवंत लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष का होना उतना ही जरूरी है जितना कि एक स्पष्ट बहुमत वाली सरकार का होना। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष मुक्त भारत की जिस अवधारणा को हवा दी गई, उसने लोकतांत्रिक संतुलन को बुरी तरह असहज किया है। जांच एजेंसियों के बढ़ते प्रभाव और विपक्षी नेताओं का बड़ी संख्या में भाजपा में शामिल होकर रातों-रात पवित्र हो जाना, पार्टी की उस शुचिता पर गहरा सवालिया निशान लगाता है जिसका दावा वह दशकों से करती आई है। क्या सत्ता पाने की व्याकुलता में किसी भी दल के दागी चेहरों को अपना लेना उस कार्यकर्ता आधारित संगठन के लिए सही है, जो कभी अपने सिद्धांतों पर गर्व करता था? आज पार्टी का ढांचा भी पहले की तुलना में अधिक व्यक्ति-केंद्रित हो गया है। सामूहिक नेतृत्व और आंतरिक विमर्श की जगह अब केवल ऊपर से आने वाले आदेशों और हां में हां मिलाने वाली संस्कृति ने ले ली है।

राम मंदिर का निर्माण, अनुच्छेद 370 का खात्मा और नागरिकता कानूनों जैसे मुद्दों पर उसे व्यापक जनसमर्थन मिला है, लेकिन क्या राष्ट्रवाद की इस प्रबल लहर ने देश की बुनियादी आर्थिक चुनौतियों को कालीन के नीचे धकेल दिया है? बढ़ती बेरोजगारी, मध्यम वर्ग पर महंगाई का लगातार बढ़ता बोझ और अमीर-गरीब के बीच बढ़ती गहरी खाई ऐसे कड़वे सच हैं, जिन्हें केवल भव्य आयोजनों और नारों से नहीं बदला जा सकता। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प तब तक अधूरा है जब तक देश का शिक्षित युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहा है। बड़े व्यापारिक घरानों के साथ बढ़ती नजदीकियों ने भी यह धारणा पुख्ता की है कि पार्टी का झुकाव अब आम आदमी से हटकर खास प्रबंधकों की ओर हो गया है।

स्थापना दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर भाजपा को गहराई से आत्ममंथन करने की जरूरत है। क्या वह केवल चुनाव जीतने वाली एक पेशेवर मशीन बनकर

रहना चाहती है या वापस उस नैतिक राजनीति की ओर लौटेगी, जिसका वादा 1980 के मुंबई अधिवेशन में किया गया था? लोकतंत्र केवल बहुमत का नाम नहीं है, यह अल्पमत के सम्मान, आलोचना को पचाने की शक्ति और संस्थाओं की स्वायत्तता का नाम भी है। यदि भाजपा को आने वाले दशकों में अपनी साख और गौरवशाली इतिहास को बचाए रखना है, तो उसे अपनी जीत के अहंकार से ऊपर उठकर उन लोकतांत्रिक मूल्यों को फिर से गले लगाना होगा, जो उसकी स्थापना की मूल भावना थे। सत्ता तो आती-जाती रहती है, लेकिन जो विचार अपनी नैतिकता और लोक-लाज की परवाह करना छोड़ देता है, वह इतिहास की नजरों में अपनी चमक धीरे-धीरे खोने लगता है। आने वाला समय बताएगा कि कमल की यह पंखुड़ियाँ सिद्धांतों की महक फैलाती हैं या केवल सत्ता की धूप में मुरझा कर रह जाती हैं।

पाँच राज्यों के विधान सभा के चुनावी समरक्षेत्र में जनादेश की आहट

बिनोद कुमार सिंह

इस चुनावी महासमर में सबसे बड़ी शक्ति जनता ही है।वही इस लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक धुरी है,जिसके एक वोट से सत्ता का संतुलन बदल सकता है।यह चुनाव केवल सरकार चुनने का अवसर नहीं, बल्कि अपने भविष्य और अपने अधिकारों को दिशा देने का माध्यम है।पाँच राज्यों में सत्ता का संघर्ष और लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा की घड़ी ,जनता जनार्दन मौन है।राज्यों के मतदाताओं ने अपने मन में जो निर्णय लिया है,वह शीघ्र ही मतपेटियों के माध्यम से सामने आएगा और उसी के आधार पर तय होगा कि सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा।

पाँच राज्यों में सता के सिंघासन पर कौन,राजनीतिक संघर्ष और लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा की घड़ी,जनता जनार्दन है मौन...

भारत का लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं,बल्कि एक जीवंत परंपरा है,जहाँ प्रत्येक चुनाव जनभावनाओं का उत्सव बनकर सामने आता है।वर्ष 2026 में पाँच राज्यों-असम,तमिलनाडु,केरल, पश्चिम बंगाल और मणिपुर-के चुनाव इसी लोकतांत्रिक परंपरा के निर्णायक अध्याय बनकर उभरे हैं। यह केवल सत्ता परिवर्तन का अवसर नहीं,बल्कि पिछले पाँच वर्षों के कार्यों,वादों और जनता के विश्वास की अग्नि परीक्षा की घड़ी आ गई है।इन राज्यों की जनता ने बीते वर्षों में विकास,महंगाई, रोजगार,शिक्षा,स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को नजदीक से महसूस किया है।अब जब चुनावी शंखनाद हो चुका है,राज्यों के मतदाता अपने मन में एक ठोस निर्णय बना चुका है।वह यह तय करने की स्थिति में है कि कौन उसके सपनों का संवाहक है और कौन केवल राजनीतिक वादों का व्यापारी है।भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि मतदाता अब पहले से कहीं अधिक सजग, जागरूक और निर्णायक हो गया है।वह जातीय और धार्मिक सीमाओं से ऊपर उठकर सुशासन और विकास को प्राथमिकता देने लगा है।यही कारण है कि इस बार 5 राज्यों के विधान सभा चुनावों में पारंपरिक समीकरणों के साथ-साथ प्रदर्शन आधारित राजनीति भी प्रमुख भूमिका में दिखाई दे रही है। चुनावी मैदान आज एक ऐसे समरक्षेत्र में बदल चुका है,जहाँ सत्तारूढ़ राजनीतिक दल अपनी उपलब्धियों के रथ पर सवार है, वहीं विपक्ष असंतोष और सवालों के शस्त्र लेकर चुनावी मैदान में उतरा है।

अगर हम राजनीतिक परिदृश्य पर एक दृष्टि डालें तो हर राज्य की परिस्थितियाँ भिन्न होते हुए भी एक समानता स्पष्ट दिखाई देती है - सत्ता और विपक्ष के बीच सीधा और तीखा संघर्ष का दौर जारी है।सत्तारूढ़ दल अपने कार्यकाल के दौरान किए गए बुनियादी ढांचे के विकास,कल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों को जनता के सामने रख रहा है। 'डबल इंजन' जैसे राजनीतिक नारे और योजनाओं का लाभ उठाने वाला वर्ग उसके समर्थन का मजबूत आधार बन चुका है।वही दूसरी ओर विपक्ष महंगाई,बेरोजगारी,किसान संकट और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने में जुटा है और जनता को परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहा है।

यदि इन पाँच राज्यों के चुनावी परिदृश्य को गहराई से देखा

जाए, तो एक बहुआयामी तस्वीर सामने आती है।असम में सत्ता पक्ष अपने मजबूत संगठन और नेतृत्व के कारण हल्की बढ़त बनाए हुए है। यहाँ उसे लगभग 44 से 48 प्रतिशत वोट मिलने की संभावना है,जबकि विपक्ष 40 से 43 प्रतिशत के बीच सिमट सकता है।सीटों के रूपांतरण में यह अंतर सत्ता पक्ष को बढ़त दिला सकता है,जहाँ 126 सदस्यीय विधानसभा में उसके 68 से 78 सीटों तक पहुँचने के संकेत मिलते हैं।इसके बावजूद मुकाबला पूरी तरह एकतरफा नहीं है और विपक्ष की चुनौती मजबूत बनी हुई है।वही तमिलनाडु में राजनीति अपने पारंपरिक द्रविड़ स्वरूप में ही दिखाई देती है,जहाँ डीएमके गठबंधन लगभग 42 से 46 प्रतिशत वोट हासिल कर स्पष्ट बढ़त की स्थिति में नजर आता है। एआईएडीएमके गठबंधन 34 से 38 प्रतिशत के बीच सीमित रह सकता है,जबकि अन्य दलों का प्रभाव सीमित दायरे में रहेगा।234 सदस्यीय विधानसभा में डीएमके गठबंधन 140 से 160 सीटों के साथ सशक्त स्थिति में उभर सकता है,जो यह स्पष्ट संकेत देता है कि वहाँ सत्ता की निरंतरता संभव है। केरल की राजनीति हमेशा से विचारधारात्मक संघर्ष और वैकल्पिक सत्ता परिवर्तन के लिए जानी जाती रही है,लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी भिन्न दिखाई देती है। एलडीएफ 43 से 46 प्रतिशत वोट के साथ बढ़त बनाए हुए है,जबकि यूडीएफ 41 से 44 प्रतिशत के बीच मुकाबले में बना हुआ है।140 सीटों वाली विधानसभा में एलडीएफ को 70 से 80 सीटों तक पहुँचने का अनुमान है,जो यह संकेत देता है कि परंपरागत ट्रेंड के विपरीत सत्ता की पुनरावृत्ति संभव हो सकती है।पश्चिम बंगाल का चुनावी परिदृश्य सबसे अधिक तीव्र और ध्रुवीकृत दिखाई देता है।यहाँ टीएमसी 44 से 47 प्रतिशत वोट के साथ आगे है,जबकि भाजपा 38 से 42 प्रतिशत के बीच मजबूत चुनौती दे रही है।294 सीटों वाली विधानसभा में टीएमसी को 160 से 190 सीटें मिलने की संभावना है,जबकि भाजपा 90 से 120 सीटों के बीच रह सकती है।यह परिणाम दशार्ता है कि सत्ता पक्ष को बढ़त तो है,लेकिन निर्णायक उपस्थिति दर्ज कर रहा है। जहाँ तक वे जहाँ तक मणिपुर की बात है तो मणिपुर में समीकरण अधिक जटिल और स्थानीय प्रभावों प हैं।यहाँ भाजपा 36 से 40 प्रतिशत वोट के साथ दल के रूप में उभर सकती है, जबकि कांग्रेस प्रतिशत के बीच रह सकती है।क्षेत्रीय दलों का प्रतिशत वोट इस चुनाव को त्रिशंकु स्थिति की सकता है।60 सदस्यीय विधान सभा में किसी ए स्पष्ट बहुमत मिलना कठिन प्रतीत होता है और ग राजनीति यहाँ निर्णायक भूमिका निभा सकती है। राज्यों के समेकित विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है चुनावी समीकरण में वोट प्रतिशत और सीटों क हमेशा सीधा नहीं होता।कई बार केवल 2 से 3 प्रतिशत वोट का अंतर दर्जनों सीटों का अंतर बना देता है,जो सत्ता की दिशा बदलने में निर्णायक साबित होता है।ऐसे में क्षेत्रीय दल अभी भी कई राज्यों में राजनीति के केंद्र में हैं और राष्ट्रीय दलों के लिए चुनौती बने हुए हैं।गठबंधन राजनीति का प्रभाव असम और मणिपुर जैसे राज्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है,जबकि तमिलनाडु,केरल और पश्चिम बंगाल में क्षेत्रीय नेतृत्व की पकड़ मजबूत बनी हुई है।

अगर हम चुनावी मुद्दों की बात करें तो महंगाई,रोजगार,कृषि संकट, युवा आकांक्षाएँ और महिला सशक्तिकरण जैसे विषय हर राज्य में गूंज रहे हैं।कोविड के बाद स्वास्थ्य और शिक्षा भी प्रमुख मुद्दों के रूप में उभरे हैं।इसके साथ ही सोशल मीडिया ने चुनावी परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चल रहा प्रचार और संवाद अब चुनावी रणनीति का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।इन चुनावों का प्रभाव केवल इन राज्यों तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि यह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी तय करेगा।वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से इसे एक प्रकार का सेमीफाइनल माना जा रहा है।यदि सत्तारूढ़ दल इन चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो उसकी राष्ट्रीय स्थिति और मजबूत होगी।वहीं विपक्ष के लिए यह अवसर है कि वह अपनी रणनीति को धार देकर आगामी चुनावों के लिए मजबूत आधार तैयार करे।

संक्षेप में, इस चुनावी महासमर में सबसे बड़ी शक्ति जनता ही है।वही इस लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक धुरी है,जिसके एक वोट से सत्ता का संतुलन बदल सकता है।यह चुनाव केवल सरकार चुनने का अवसर नहीं, ब

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com

कपूर या खान सरनेम होने से मिलते हैं फायदे

अभिनेता अभिलाष थपलियाल कई फिल्मों में अपने अलग किरदारों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 'दिल जंगली', 'केनेडी', 'मैदान' और दूसरी फिल्में में अदाकारी की है। अभिलाष थापलियाल ने अब फिल्म इंडस्ट्री में बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के अपनी जगह बनाने में आने वाली मुश्किलों के बारे में खुलकर बात की है।

फिल्मी परिवार से होना है सौभाग्य

अभिलाष थापलियाल ने एचटी से बातचीत में बताया कि एक जाना-माना सरनेम इस इंडस्ट्री में उनके लिए दरवाजे खोल सकता है। उन्होंने कहा, 'बेशक। यह एक सौभाग्य है। अगर वह मिल जाए, तो उससे बेहतर कुछ नहीं। मेरा मतलब है, अगर मेरा सरनेम भी कपूर या खान होता, तो बात कुछ और ही होती।' उन्होंने खुद के बारे में कहा 'जरा सोचिए, एक एक्टर जो विलेन का रोल कर रहा है, जो एक शराबी का रोल कर रहा है, एक फोटोग्राफर का रोल कर रहा है। अगर कोई स्टार किड यह करता, तो चर्चा हो जाती?'

फिल्मी परिवार से न होने के नुकसान

अभिनेता ने उन लोगों को होने वाली मुश्किलों पर भी चर्चा की, जो फिल्मी परिवारों से नहीं आते। उन्होंने बताया कि बाहर से आए लोगों के पास अक्सर सीमित विकल्प होते हैं। उन्होंने कहा, 'एक बाहरी व्यक्ति के तौर पर, हम सिर्फ उन्हीं चीजों में से चुन सकते हैं, जो हमें ऑफर की गई हैं।'

टैलेंट अब भी मायने रखता है

भाई-भतीजावाद के फायदों को मानते हुए भी, अभिलाष ने इस बात पर जोर दिया कि टैलेंट अब भी जरूरी है। उन्होंने इस बात से सहमति जताई कि जब टैलेंट के साथ इंडस्ट्री का साथ भी मिल जाए, तो इससे करियर को काफी बढ़ावा मिल सकता है।

'केनेडी' में नजर थे आए

अभिलाष हाल ही में अनुराग कश्यप की फिल्म 'केनेडी' में नजर आए थे। इस फिल्म में राहुल भट्ट और सनी लियोनी भी अहम किरदारों में हैं।

टॉक्सिक में अपने किरदार को लेकर उत्साहित हैं कियारा

'केजीएफ' स्टार यश की आगामी फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज में वक्त है। फिल्म यश के नए लुक के साथ-साथ अपनी स्टारकास्ट, खासकर महिला किरदारों को लेकर भी लगातार सुर्खियां बटोर रही है। अब फिल्म में नादिया का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर बात की है।

हालिया बातचीत में कियारा ने अपने किरदार को लेकर कहा कि नादिया का किरदार अब तक पढ़े गए किरदारों में सबसे अनोखा है। मेरी निर्देशक गीतु मोहनदास ने जिस तरह से इस किरदार को लिखा और उसकी यात्रा को आकार दिया है, उससे मैं बेहद उत्साहित हूं। मुझे लगा कि मैं इस चुनौती को स्वीकार करने और उनकी नजर में इस भूमिका को पर्दे पर उतारने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। फिल्म से कियारा का पहला लुक सामने आ चुका है। इसमें एक्ट्रेस ब्लैक ड्रेस में एक स्टेज पर खड़ी नजर आई थीं। इसके बाद इसी महीने की शुरुआत में फिल्म का पहला गाना 'तबाही' रिलीज किया गया है। हालांकि, अभी तक गाने का सिर्फ ऑडियो वर्जन ही सामने आया है। लेकिन गाने के पोस्टर में कियारा यश के साथ रोमांटिक पोज में दिखी थीं। इस गाने को विशाल मिश्रा ने गाया है और उन्हींने संगीत भी दिया है। गाने को हिंदी के अलावा कन्नड़, तेलुगु, तमिल और मलयालम भाषा में भी रिलीज किया गया है।

इस वजह से आगे बढ़ी रिलीज डेट

'टॉक्सिक' का टीजर भी सामने आ चुका है, जिसमें यश के नए लुक को देखकर फैंस फिल्म को लेकर और भी उत्साहित हो गए थे। पहले 'टॉक्सिक' 19 मार्च को 'धुरंधर: द रिवेंज' के साथ ही रिलीज होने वाली थी। लेकिन गल्फ देशों में चल रहे तनाव के चलते फिल्म को आगे बढ़ा दिया गया। अब 'टॉक्सिक' 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

सयानी गुप्ता ने लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस; पहली फिल्म का किया एलान

अभिनेत्री सयानी गुप्ता ने 'आर्टिकल 15', 'जॉली एलएलबी 2', 'फैन' और 'पार्च्ड' जैसी फिल्मों में काम किया है। अब वे बतौर निर्माता अपने करियर की शुरुआत कर रही हैं। सयानी ने अपना प्रोडक्शन हाउस, 'सयानी गुप्ता मूवीज' लॉन्च किया है। इस प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत उनकी पहली शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' से हो रही है, जो इस बैनर के तहत बनने वाला पहला प्रोजेक्ट है। फिल्मों और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर एक दशक से ज्यादा समय तक काम करने के बाद अभिनत्री सयानी गुप्ता का कहना है कि प्रोडक्शन की तरफ उनका यह कदम इसलिए है, क्योंकि अब वे स्टोरीटेलिंग में ज्यादा शामिल होना चाहती हैं। सयानी ने कहा, 'यह मेरा एक पुराना सपना रहा है। मैं हमेशा से कुछ खास तरह की कहानियां कहना चाहता थी और इसका मकसद सहयोग के लिए एक ऐसा माहौल बनाना है, जो काम को सरल और सहज बनाए। हम धीरे-धीरे, लेकिन लगातार आगे बढ़ेंगे। एक समय में सिर्फ एक फिल्म पर ध्यान देंगे। हमारे लिए लेखन की गुणवत्ता, कला और कहानी कहने का तरीका हमेशा पहले रहेगा। ऐसा करने के लिए, हर प्रोजेक्ट को सही समय, देखभाल और पूरा ध्यान देना जरूरी है'।

इन फिल्मों के प्रोडक्शन में भूमिका निभा चुकी हैं सयानी

शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' पहला प्रोजेक्ट है। इसमें रेवती के साथ-साथ दरिया बेदी और अभय कौल मुख्य भूमिका में हैं। इसे सयानी ने लिखा है। निर्देशन का जिम्मा भी उन्होंने ही संभाला है और वे ही इसे प्रोड्यूस कर रही हैं। हालांकि, इससे पहले उन्होंने 'व्हेयर द विंड्स ब्लो' और 'ऊपर नीचे' जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ 'डियर मेन' और ऑस्कर के लिए क्वालिफाई करने वाली फिल्म 'शेमलेस' जैसी कई शॉर्ट फिल्में को-प्रोड्यूस की थीं, लेकिन 'आसमानी' उनका पहला पूरी तरह से अपना प्रोडक्शन है। इस फिल्म के लिए सयानी ने पूरे महाराष्ट्र में लोकेशन ढूंढने में एक साल से ज्यादा समय बिताया।

शाहरुख खान ने 'धुरंधर 2' पर नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

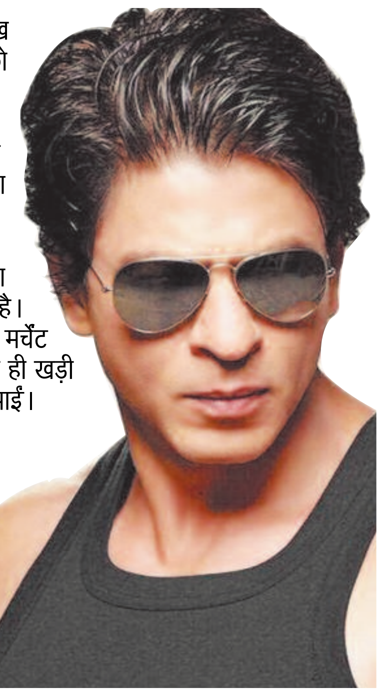

शाहरुख खान को अनंत अंबानी के साथ शाम का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। राधिका मर्चेंट भी पास ही खड़ी नजर आईं।

शाहरुख खान ने रणवीर सिंह की नई फिल्म 'धुरंधर 2' पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच मुंबई की एक पार्टी में अभिनेता को रणवीर सिंह के साथ देखा गया है। दोनों एक ही फ्रेम में नजर आए हैं।

सलमान-शाहरुख ने नहीं दी प्रतिक्रिया

फिल्म 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। इसने दुनियाभर में 1500 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। जहां कई मशहूर हस्तियों ने इस फिल्म की तारीफ की है, वहीं कुछ फैंस ने यह भी गौर किया है कि शाहरुख खान और सलमान खान ने अब तक इस फिल्म पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

एक ही फ्रेम में नजर आए शाहरुख और रणवीर

इसी चर्चा के बीच, मुंबई में हुई एक हाई-प्रोफाइल जन्मदिन पार्टी की एक तस्वीर सामने आई है। यह पार्टी एक आलीशान होटल में हुई। इस पार्टी में फिल्म जगत की हस्तियों और राजनीतिक हस्तियों का मेल देखने को मिला। तस्वीर में, शाहरुख खान और रणवीर सिंह दोस्तों के एक ग्रुप के साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर में जहां कई लोग खड़े हैं वहीं रणवीर सिंह बैठकर पोज दे रहे हैं।

शाम का आनंद लेते नजर आए शाहरुख

ग्रुप फोटो के अलावा, पार्टी के अंदर का एक और वीडियो भी ऑनलाइन वायरल हो रहा है। इसमें

अब एनीमेशन फिल्में और सीरीज बनाएंगे सुभाष घई

निर्देशक सुभाष घई ने अब प्रोडक्शन क्षेत्र में एक कदम आगे बढ़ा लिया है। दरअसल, उनकी अपनी कंपनी मुक्ता आर्ट्स लिमिटेड ने फिल्में बनाने के लिए एक बड़ी साझेदारी की है। निर्देशक की कंपनी ने प्रसिद्ध एनीमेशन कंपनी ग्रीन गोल्ड एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है।

इसके तहत मुक्ता आर्ट्स की नई डिवीजन एसजीएम स्टूडियो ग्रीन गोल्ड के साथ मिलकर एनीमेशन फिल्में और सीरीज बनाएगी। सुभाष घई ने अपने आधिकारिक इंस्टग्राम अकाउंट पर अपने स्टूडियो का लोगो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'मुक्ता आर्ट्स अब दुनियाभर के सिनेमा के लिए एनिमेशन फिल्में बनाने के नए दौर में कदम रखा रहा है। इसके लिए हमारी नई डिवीजन एसजीएम एनीमेशन स्टूडियो शुरू की गई है, जो प्रसिद्ध कंपनी ग्रीन एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ काम करेगी। निर्देशक ने कंपनी की ग्रीन एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड की प्रसंशा करते हुए कहा कि इस प्रसिद्ध कंपनी ने छोटा भीम जैसे कई सफल प्रोजेक्ट बनाए हैं। उन्होंने लिखा, 'हमें बहुत खुशी है कि हम अपनी भारतीय कहानियों को एनिमेशन के जरिए नई पीढ़ी और परिवारों तक पहुंचाएंगे। इसमें हमारे साथ राजीव चिलाका जी जैसे अनुभवी पार्टनर हैं। छोटा भीम और नरसिम्हा की सफलता ने हमें प्रेरित किया है कि हम अपनी मजबूत कहानियों पर और फिल्में बनाएं। राजीव जी को ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाई।'

इस साझेदारी से भारतीय एनीमेशन इंडस्ट्री को नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद है। यह सुभाष के करियर का नया अध्याय है। वे पहले भी कई नए कलाकारों को मौका दे चुके हैं। अब एनीमेशन के जरिए वे अपनी फिल्मी विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने जा रहे हैं। इससे पहले भी सुभाष घई ने कई बार एनीमेशन और एआई के बारे में खुलकर बातें की थीं। उन्होंने एक आयोजन के दौरान बातचीत में बताया था कि वे सबसे पहले कौन सी फिल्म निकालेंगे। उन्होंने कहा था, 'मैं सबसे पहले तो अपनी फिल्म कालीचरण को दिखाना चाहता हूं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इसकी कहानी बहुत दिलचस्प और मजेदार है और मुझे लगता है कि आज के बच्चों को भी इसकी कहानी जाननी चाहिए। यह ऐसी फिल्म है जिसे थिएटर में भी दिखाया जा सकता है और एनीमेशन के रूप में भी बनाया जा सकता है।' उन्होंने कहा था, 'कहानी की मूल कहानी (प्लॉट) वही रहेगी, लेकिन कलाकार और उसे प्रस्तुत करने का अंदाज अलग होगा।'

हर इंसान की अपनी पसंद और अपना कंफर्ट जोन होता है

कभी इंवेस्टमेंट बैंकर बनने का लक्ष्य रखने वाली एक्ट्रेस नेहा हरसोरा अब टेलीविजन जगत का जाना-पहचाना नाम बन चुकी हैं। 'अग्नि वायु', 'थोड़ा सा बादल थोड़ा सा पानी', 'राज महल' और 'ध्रुव तारा' जैसे टीवी शोज ने नेहा को पॉपुलैरिटी दी। मुंबई में पैदा हुईं नेहा के माता-पिता गुजरात से हैं। बातचीत में नेहा ने टीवी पर अपने डेब्यू, इंवेस्टमेंट बैंकर की पढ़ाई से इतर इस नए करियर, इसकी चुनौतियों और पढ़ाई की जरूरत पर बात की। नेहा साफ शब्दों में कहती हैं कि वह यह मानती हैं कि हर एक्टर के पास एक वैकल्पिक इनकम या पैशन जरूर होना चाहिए।

आपने एक्टिंग के साथ-साथ अपना ग्रेजुएशन और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग कोर्स पूरा भी किया। टीवी के डिमांडिंग करियर के साथ पढ़ाई को कैसे बैलेंस किया? एजुकेशन को आप कितना जरूरी मानती हैं?

मेरे परिवार के लिए पढ़ाई सबसे ज्यादा जरूरी थी। मेरे लिए भी एजुकेशन हमेशा पहली प्राथमिकता रही, क्योंकि बचपन में मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक्टर बनूंगी। मेरे घरवालों ने साफ कहा था कि पहले ग्रेजुएशन पूरा करो, पढ़ाई खत्म करो, उसके बाद जो करना है वो करना। मैंने बी.कॉम किया और उसके बाद इन्वेस्टमेंट बैंकिंग में सर्टिफिकेशन भी पूरा किया। मैं उसी फील्ड में आगे बढ़ने वाली थी पर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। साल 2021 में मुझे 'अग्नि वायु' से एक्टिंग में पहला बड़ा मौका मिला और यह ऐसा पेशा है, जिससे प्यार हो जाता है। फिर भी मुझे लगता है पढ़ाई बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा फील्ड बहुत अनिश्चित है। ऐसे में, एक मजबूत बैकअप होना बहुत जरूरी है। पढ़ाई आपको मुश्किल वक्त से लड़ना सिखाती है और एक विकल्प भी देती है। मैं सच में मानती हूं कि हर कलाकार के पास कोई न कोई वैकल्पिक इनकम या पैशन जरूर होना चाहिए।

आपकी छोटी बहन येशा भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। एक ही इंडस्ट्री में बहन का होना आपके लिए मददगार है या चुनौती?

मेरे लिए यह बिल्कुल भी चुनौती नहीं है, बल्कि मुझे बहुत अच्छा लगता है। मुझे उस पर गर्व है। चूंकि, वह भी इसी फील्ड में है तो मैं उसे अपनी गलतियों से सीखने में मदद कर सकती हूं और उसे वो गलतियां दोहराने से रोक सकती हूं। वहीं, मुझे भी उससे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। वह मेरी बहुत बड़ी ताकत रही है। अगर बहन येशा हरसोरा मेरे साथ न होती, तो शायद मैं इतनी कॉन्फिडेंट नहीं होती। जब परिवार साथ देता है तो आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है। वह भी बहुत अच्छा काम कर रही है। लोग जब मुझसे कहते हैं कि येशा बहुत बढ़िया कर रही है तो मुझे बेहद गर्व महसूस होता है। वह इतनी कम उम्र में अपने हमउम्र लोगों से कहीं आगे है।

अभी आपकी छवि एक प्यारी 'गर्ल नेक्स्ट डोर' लड़की की है, लेकिन एक एक्टर को हर तरह के किरदार निभाने पड़ते हैं। बोल्ड रोल या इंटीमेट सीन को लेकर आप कितनी सहज हैं?

हर इंसान की अपनी पसंद और अपना कंफर्ट जोन होता है। किसी के लिए एक्टर बनना ही चुनौती होती है और किसी के लिए हर तरह के रोल के ओपन होना चुनौती बन जाता है। मेरे लिए भी यह एक सीखने की प्रक्रिया है। वैसे, यह जरूरी नहीं है कि अगर मैं बोल्ड रोल करूं या हॉट इमेज बनाऊं तभी मुझे काम मिलेगा या मुझे एक्टर माना जाएगा। इसे लेकर हर किसी का नजरिया अलग होता है। मैंने एक्टिंग इसलिए चुनी क्योंकि मैं इसमें सहज महसूस करती हूं। अगर मुझे लगता है कि मैं कोई चीज अच्छे से कर सकती हूं तो मैं उसमें 150 प्रतिशत देती हूं, लेकिन जो चीज मेरे कंफर्ट जोन से बाहर होती है, उसमें मैं कोशिश जरूर करूंगी पर शायद उतना परफेक्ट न कर पाऊं और मैं किसी भी प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों को निराश नहीं करना चाहती।

खुद गुजराती होने के नाते अपने शो 'उड़ने की आशा' में मराठी किरदार निभाने के लिए कितनी तैयारी करनी पड़ी?

यह थोड़ा मुश्किल जरूर था, क्योंकि मेरी मातृभाषा गुजराती है। हालांकि, मैं महाराष्ट्र में ही पैदा हुई, यहीं पली-बढ़ी हूं, लेकिन मेरे ज्यादा दोस्त मराठी बैकग्राउंड से नहीं थे। ऐसे में, जब मैं इस शो का हिस्सा बनी तो मैंने अपने मुंहबोले भाई से मराठी संस्कृति, रीति-रिवाज और त्योहारों के बारे में काफी बातें कीं। वैसे, हमने स्कूल में मराठी पढ़ी है। मराठी संस्कृति की बहुत-सी बातें बिना जाने रोजमर्रा में फॉलो भी करते हैं। जैसे, मुझे मिसल पाव बहुत पसंद है। इस किरदार ने मुझे वो सब करीब से समझने का मौका दिया।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप का नया आदेश- कॉलेज खेलों में नियम कड़े

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कॉलेज खेलों को लेकर एक बड़ा आदेश जारी किया है। इसका मकसद खेलों में नियम, निष्पक्षता और स्थिरता लाना है। इस आदेश के तहत खिलाड़ियों के ट्रांसफर, योग्यता और पैसे से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू किया जाएगा। अगर कोई यूनिवर्सिटी इन नियमों का उल्लंघन करती है, तो उसे सरकारी फंड और कॉन्ट्रैक्ट से वंचित किया जा सकता है। सरकार चाहती है कि खिलाड़ियों के लिए पांच साल की स्पष्ट भागीदारी सीमा तय हो, ट्रांसफर नियम व्यवस्थित हों और सभी खिलाड़ियों को बेहतर मेडिकल सुविधा मिले। साथ ही, महिलाओं और ओलंपिक खेलों को भी आर्थिक रूप से मजबूत करने पर जोर दिया गया है। पे-फॉर-प्ले जैसे गलत पैसों के लेन-देन पर रोक लगाने की बात भी कही गई है। इस आदेश में डेटा कलेक्शन बढ़ाने और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। ट्रंप प्रशासन ने कांग्रेस से भी जल्द कानून बनाने की अपील की है।

स्कूल में बुलिंग से छात्रा की मौत, 12 साल का बच्चा गिरफ्तार

लॉस एंजिलिस , एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां 12 साल की एक छात्रा की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में एक 12 साल के बच्चे को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, छात्रा को स्कूल में बुलिंग के दौरान धातु की पानी की बोतल से सिर पर मारा गया था। पहले उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी, लेकिन बाद में हालत बिगड़ने पर उसे दोबारा भर्ती किया गया, जहां उसकी मौत हो गई। परिवार का आरोप है कि बच्ची और उसकी बहन को लंबे समय से स्कूल में परेशान किया जा रहा था, लेकिन स्कूल प्रशासन ने समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की। अब परिवार स्कूल प्रशासन पर भी जिम्मेदारी तय करने की मांग कर रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कैलिफोर्निया में भीषण जंगल की आग, लोगों को निकाला गया

सैकरामेंटो, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में तेजी से फैल रही जंगल की आग ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। तेज हवाओं के कारण आग बहुत तेजी से फैल रही है, जिससे कई इलाकों में लोगों को घर छोड़ने के आदेश दिए गए हैं। यह आग मोरेनो वैली इलाके के पास शुरू हुई और कुछ ही घंटों में बड़े क्षेत्र में फैल गई। प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तेज हवाओं के चलते हालात और बिगड़ सकते हैं। पेड़ गिरने और बिजली कटने का भी खतरा बना हुआ है। दमकल विभाग आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन हवा की वजह से मुश्किलें बढ़ रही हैं। लोगों से सतर्क रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

श्रीलंका सरकार ने सरकारी उद्यमों को बेचने का निर्णय वापस लिया

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि पिछली सरकार द्वारा सरकारी उद्यमों को बेचने का निर्णय वापस ले लिया है। अटॉर्नी जनरल परिंदा रणसिंघे जूनियर ने तीन सदस्यीय पीठ को बताया कि श्रीलंकन एयरलाइंस, टेलीकॉम, इंश्योरेंस और लंका हॉस्पिटल्स को अब नहीं बेचा जाएगा। यह स्पष्टीकरण पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के कैबिनेट फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर आया है। हालांकि, आईएमएफ की बेलआउट शर्तों के तहत घाटे को कम करने के लिए निजीकरण की बात कही गई थी।

चीन : कम्युनिस्ट पार्टी ने शिनजियांग के पूर्व प्रमुख के खिलाफ शुरू की जांच

बीजिंग, एजेंसी। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने शिनजियांग के पूर्व प्रमुख मा शिंगरुई के खिलाफ अनुशासन और कानून के उल्लंघन के संदेह में जांच शुरू की है। शिंगरुई 2021 से 2025 तक शिनजियांग के पार्टी सचिव रहे थे। उन पर लगे आरोपों का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन उन्हें इस साल हटा दिया गया था। शिनजियांग क्षेत्र उइगर मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों की नजरबंदी को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, चीन ने वहां लाखों अल्पसंख्यकों को हिरासत में लिया था।

सूडान : अस्पताल पर ड्रोन हमले में 10 की मौत, 19 लोग घायल

खार्तूम, एजेंसी। सूडान के अर्धसैनिक बलों द्वारा देश के दक्षिण-मध्य भाग में एक अस्पताल पर ड्रोन हमले में 10 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य समूह (डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स) ने बताया कि सूडानी अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज ने व्हाइट नाइल प्रांत के अल-जबलैन अस्पताल पर ड्रोन से दो हमले किए। इस हमले में एक ऑपरेशन थिएटर और एक प्रसूति वार्ड को निशाना बनाया गया।

उत्तरी अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता के भूकंप से आठ लोगों की मौत

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस हुए। अफगानिस्तान नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ हम्माद ने बताया कि उत्तरी अफगानिस्तान में आए इस भूकंप में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। हम्माद ने शुक्रवार देर रात बताया कि भूकंप के बाद काबुल प्रांत में एक घर गिर गया, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और एक बच्चा घायल हो गया। राजधानी काबुल में भी तेज झटके महसूस किए गए। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप का केंद्र शुरू में 36.55 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.85 डिग्री पूर्वी देशांतर पर पाया गया। इसके अलावा भूकंप की गहराई 186.4 किलोमीटर थी।

शुक्रवार रात दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में घबराहट फैल गई और वे घरों और ऑफिस की बिल्डिंग से बाहर निकल आए। दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और आस-पास के इलाकों सहित कई जगहों से भूकंप के झटके महसूस किए गए।

लोगों ने बताया कि बैठे-बैठे उन्हें अचानक झटके महसूस हुए, जिससे फर्नीचर और घर में रखी हुई या लटकी अन्य चीजें हिलने लगीं। कई लोगों ने कहा कि झटके कुछ सेकंड तक रहे लेकिन इतने तेज थे कि घर के अंदर भी साफ महसूस किए जा सकते थे।

कई रिहायशी इलाकों में, लोग सावधानी के तौर पर अपने घरों से बाहर निकल गए, जबकि ऑफिस में मौजूद लोग कुछ देर के लिए बिल्डिंग से बाहर निकल आए। अफगानिस्तान में कई तरह की प्राकृतिक आपदाएं आती हैं, लेकिन यहां भूकंप से सबसे ज्यादा मौतें होती हैं। हर साल औसतन लगभग 560 लोग मारे जाते हैं और सालाना लगभग 80 मिलियन डॉलर का नुकसान होता है। अध्ययनों से पता चलता है कि 1990 से अब तक अफगानिस्तान में 5.0 से ज्यादा तीव्रता वाले कम से कम 355 भूकंप आए हैं। अफगानिस्तान यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट के किनारे पर है, जो इंडियन प्लेट के साथ एक ट्रांसग्रेशन जोन शेयर करता है। इसका मतलब है कि दोनों एक-दूसरे से मिल सकते हैं या एक-दूसरे को छू सकते हैं, और यह अपने दक्षिण में अरेबियन प्लेट से भी प्रभावित है, जिससे यह दुनिया के सबसे ज्यादा टेक्टोनिक रूप से सक्रिय इलाकों में से एक बन गया है। इंडियन प्लेट का उत्तर की ओर बढ़ना और यूरेशियन प्लेट से उसका टकराना आमतौर पर अफगानिस्तान में कई भूकंपों के लिए जिम्मेदार होता है। पूर्वी और उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान, खासकर उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और पाकिस्तान के साथ इसकी सीमाओं वाले इलाके, भूकंप के लिए खास तौर पर संवेदनशील हैं। इसमें बहुत ज्यादा आबादी वाला काबुल भी शामिल है, जहां अध्ययन के मुताबिक, भूकंप से हर साल सबसे ज्यादा औसत अनुमानित नुकसान होता है, जो 17 मिलियन डॉलर है। अफगानिस्तान के पहाड़ों में भूकंप खास तौर पर खतरनाक होते हैं। यहां वे लैंडस्लाइड को ट्रिगर कर सकते हैं, जिससे जान-माल का नुकसान बढ़ जाता है।

ईरान की धमकी: बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को निशाना बनाने का संकेत

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर दबाव बढ़ाने की ओर इशारा किया है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि तेहरान अपने विरोधियों पर दबाव बढ़ाने के लिए बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को भी निशाना बना सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य पर जारी समुद्री नाकाबंदी अंतरराष्ट्रीय शिपिंग पर गहरा आर्थिक और लॉजिस्टिक दबाव बना रही है।

गालिबाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई सवाल पोस्ट करते हुए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियों को उजागर किया। उन्होंने इस जलमार्ग पर दुनिया की निर्भरता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि वैश्विक तेल, एलएनजी, गेहूं, चावल और उर्वरक शिपमेंट का कितना हिस्सा बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है?

गालिबाफ का इशारा बढ़ा रहा दुनिया की चिंता : ईरानी संसद के अध्यक्ष ने आगे कहा कि कुछ देश और कंपनियां इस रणनीतिक कदम से विशेष रूप से प्रभावित हो सकती हैं। उन्होंने पूछा, 'किन देशों और कंपनियों का इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाले शिपमेंट में सबसे अधिक हिस्सा है?' इससे यह संकेत मिलता है कि इस्लामिक गणराज्य अपने प्रभाव को अधिकतम करने के तरीकों का मूल्यांकन कर रहा है।

ईरान के जवाबी हमलों में नहीं आई कमी : यह समुद्री रणनीति युद्ध के मैदान पर बढ़ते तनाव के साथ मेल खाती है। ईरान और उसके सहयोगियों ने एक सतत जवाबी अभियान ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के तहत हमलों क नई लहर शुरू कर दी है, जिसने कब्जे वाले क्षेत्रों के भीतर महत्वपूर्ण इस्राइली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। यह हमले हाल की शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों की सीधी प्रतिक्रिया माने जा रहे हैं, जो क्षेत्रीय संघर्ष में एक महत्वपूर्ण वृद्धि का संकेत देते हैं।

ऊर्जा सुविधाओं और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप : ईरान का कहना है कि यह जवाबी कार्रवाई उन हमलों का भी जवाब है, जिनमें ईरान की ऊर्जा सुविधाओं और नागरिक बुनियादी ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाया गया। प्रेस टीवी ने बताया कि विरोधी ताकतों की पिछली कार्रवाइयों के कारण सैकड़ों ईरानी नागरिकों की मौत हुई थी, जिनमें मिनाब में एक प्राथमिक विद्यालय में लगभग 170 बच्चे शामिल थे।

वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव: पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बनीं भारतीय मूल की रिनी संपत, रचा नया इतिहास

वॉशिंगटन डीसी , एजेंसी। अमेरिका की राजनीति में भारतीय मूल के लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। इसी कड़ी में रिनी संपत ने इतिहास रचते हुए वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव के बैलेट में जगह बना ली है। वह इस पद के लिए बैलेट तक पहुंचने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं। तमिलनाडु के थेनी में जन्मी रिनी संपत बचपन में ही अमेरिका चली गई थीं। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि सिर्फ उनके लिए नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई समुदाय के लिए गर्व का पल है। रिनी ने कहा कि वह सात साल की उम्र में अमेरिकन ड्रीम को पूरा करने के लिए अमेरिका आई थीं।

अब उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यह सपना वॉशिंगटन डीसी के हर नागरिक के लिए हकीकत बने। उनके अभियान के मुताबिक, 4,500 से ज्यादा लोगों ने उनके समर्थन में हस्ताक्षर किए, जिसके बाद उन्हें आधिकारिक तौर पर बैलेट में जगह मिली। 31 वर्षीय रिनी संपत पिछले एक दशक से वॉशिंगटन डीसी में रह रही हैं और एक सरकारी ठेकेदार के रूप में काम कर चुकी हैं। उनका चुनावी एजेंडा शहर की बुनियादी समस्याओं को सुधारने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि अगर वह मेयर बनती हैं, तो सड़कों की मरम्मत, सीवर और जल निकासी समस्याओं का समाधान, 911 सेवाओं में सुधार और महंगाई को कम करना उनकी प्राथमिकता होगी। रिनी संपत ने मौजूदा प्रशासन पर भी सवाल उठाए हैं।

उनका कहना है कि शहर की बुनियादी सेवाएं लगातार कमजोर हो रही हैं। उन्होंने हाल की बर्फबारी का जिक्र करते हुए कहा कि सड़कों और फुटपाथों की हालत खराब हो गई थी और कचरा प्रबंधन भी बिगड़ गया था। उन्होंने खुद को एक आउटसाइडर उम्मीदवार बताते हुए कहा कि वह पारंपरिक राजनीति से अलग हैं और किसी बड़े राजनीतिक समूह का समर्थन उन्हें नहीं मिला है। उनका मानना है कि शहर को नई सोच और जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेतृत्व की जरूरत है। रिनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, खासकर अपने दादा और पिता को दिया। उन्होंने कहा कि भारत से मिले संस्कार और परिवार की प्रेरणा ही उन्हें सार्वजनिक सेवा के लिए आगे बढ़ने की ताकत देती है।

अमेरिकी बजट प्रस्ताव में आया बड़ा बदलाव, घरेलू खर्च में की कटौती और रक्षा खर्च में ऐतिहासिक बढ़ोतरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित वित्तीय वर्ष 2027 के बजट में घरेलू कार्यक्रमों में बड़ी कटौती देखने को मिल रहा है। प्रस्तावित बजट में फेडरल एजेंसियों के व्यापक पुनर्गठन की रूपरेखा दी गई है, जबकि सुरक्षा, कानून-व्यवस्था जैसी प्रमुख प्राथमिकताओं के लिए फंडिंग बरकरार रखी गई है। बजट में 2026 के गैर-रक्षा स्तरों की तुलना में 10 फीसदी कटौती का प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य खर्च पर नियंत्रण और फेडरल सरकार के ढांचे में बदलाव करना है। इस योजना को 'फिजूल और अप्रभावी कार्यक्रमों' से हटकर बताया गया है, जबकि सीमा सुरक्षा, पुलिसिंग और वेटरन्स सेवाओं जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है।

विभिन्न विभागों में बड़े पैमाने पर कटौती का खाका पेश किया गया है। कृषि विभाग को 20.8 अरब डॉलर की फंडिंग देने का प्रस्ताव है, जो 19 फीसदी की कमी को दर्शाता है। वाणिज्य विभाग का बजट 9.2 बिलियन डॉलर रखा गया है, जो 12.2 फीसदी कम है, जबकि शिक्षा विभाग को 76.5 बिलियन डॉलर मिलेंगे और इसे खत्म होने की राह पर बताया गया है। स्वास्थ्य और मानवीय सेवाओं की फंडिंग घटकर 111.1 बिलियन डॉलर हो जाएगी, जो 12.5 फीसदी की कमी को दर्शाता है, जबकि हाउसिंग और शहरी विकास में 13 फीसदी की कटौती होकर 73.5 बिलियन डॉलर हो जाएगी। राज्य विभाग और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों को सबसे ज्यादा कटौती का सामना करना पड़ रहा है। प्रस्तावित बजट के तहत 35.6 बिलियन डॉलर की फंडिंग की बात कही गई है, जो पिछले साल से 30 फीसदी कम है। बजट में, दूसरी चीजों के अलावा, शिक्षा ग्रांट, हाउसिंग इनिशिएटिव और विदेशी सहायता योजना सहित कई एजेंसियों के कई कार्यक्रमों को खत्म करने या एक साथ करने की बात कही गई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में इस योजना के तहत स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के पुनर्गठन का प्रस्ताव है, ताकि 'एडमिनिस्ट्रेशन फॉर अ हेल्दी अमेरिका' के तहत पोषण, खाद्य सुरक्षा और दीर्घकालिक बीमारियों की रोकथाम को प्राथमिकता दी जा सके। गृह सुरक्षा विभाग का बजट घटाकर 63 बिलियन डॉलर कर दिया जाएगा, जबकि बॉर्डर एनफोर्समेंट और इमिग्रेशन कंट्रोल में निवेश बरकरार रहेगा। इसी तरह, न्याय विभाग को लॉ एनफोर्समेंट के लिए ज्यादा फंडिंग मिलेगी, जबकि गैर-जरूरी समझे जाने वाले ग्रांट प्रोग्राम को कम या खत्म कर दिया जाएगा।

बजट में फेडरल ब्यूरोक्रेसी को कम करने और शिक्षा, हाउसिंग और वर्कफोर्स डेवलपमेंट जैसे क्षेत्र में राज्यों और लोकल सरकारों पर जिम्मेदारियां डालने पर जोर दिया गया है।

नाटो प्रमुख मार्क रुट्टे अगले सप्ताह वाशिंगटन में डोनाल्ड ट्रंप से करेंगे मुलाकात

वाशिंगटन , एजेंसी। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव मार्क रुट्टे 8 से 12 अप्रैल तक वाशिंगटन डीसी की यात्रा पर रहेंगे, जहां वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। यह जानकारी नाटो के प्रवक्ता द्वारा जारी एक बयान में दी गई है। प्रवक्ता ने बताया कि 8 अप्रैल को रुट्टे, ट्रंप, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ बातचीत करेंगे। इस यात्रा में 9 अप्रैल को एक सार्वजनिक कार्यक्रम भी शामिल है, जिसमें रुट्टे द्वारा रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल फाउंडेशन एंड इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित एक चर्चा में भाषण देने और भाग लेने की उम्मीद है।

यह यात्रा ट्रांस अटलांटिक गठबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर हो रही है, क्योंकि ईरान से जुड़े संघर्ष के बीच ट्रंप की हालिया आलोचना के बाद तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूरोपीय सहयोगियों के प्रति कड़ी असंतोष व्यक्त करते हुए नाटो पर अमेरिकी रणनीतिक उद्देश्यों का समर्थन करने के लिए पर्याप्त कदम न उठाने का आरोप लगाया है। ट्रंप ने तो यहां तक संकेत दिया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका 77 साल पुराने गठबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार कर सकता है, जिससे नाटो के भविष्य को लेकर सदस्य देशों में चिंताएं बढ़ गई हैं। उन्होंने यूरोप में सैन्य ठिकानों तक अमेरिकी सैन्य पहुंच को प्रतिबंधित करने और होर्मुज स्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण वैश्विक मार्गों की सुरक्षा में नेतृत्व करने में रुचि नहीं दिखाने के लिए सहयोगी देशों की आलोचना की है। नाटो अधिकारियों ने पुष्टि की है कि 8 अप्रैल को रुट्टे और ट्रंप के बीच होने वाली आगामी बैठक पर बारीकी से नजर रखी जाएगी, क्योंकि यह भू-राजनीतिक अनिश्चितता के दौर में गठबंधन की दिशा तय कर सकती है। ट्रंप के सत्ता में लौटने के बाद से कई संकटों के दौरान अमेरिकी नेता के साथ रचनात्मक संबंध बनाए रखने की उनकी क्षमता के कारण, नीदरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री रुट्टे को पर्यवेक्षकों द्वारा 'ट्रंप का सलाहकार' बताया गया है। उन्होंने लगातार तर्क दिया है कि ट्रंप के दबाव ने यूरोपीय देशों को रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है, जिससे अंततः नाटो की क्षमताएं मजबूत हुई हैं। वाशिंगटन में होने वाली चर्चाओं में तेजी से अस्थिर होते वैश्विक वातावरण में गठबंधन की एकता, रक्षा प्रतिबद्धताओं और रणनीतिक समन्वय पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है।

एपस्टीन मामले में बड़ा समझौता: 7.25 करोड़ डॉलर का बनाया गया फंड

वॉशिंगटन , एजेंसी। दुनिया को झकझोर देने वाले जेफरी एपस्टीन यौन शोषण मामले में नया मोड़ आया है। बैंक ऑफ अमेरिका और पीड़ितों के बीच 7.25 करोड़ डॉलर का समझौता हुआ है, जिससे 60-75 महिलाओं को मुआवजा मिल सकता है। अदालत ने इसे प्रारंभिक मंजूरी दी है और साफ किया है कि हर पीड़ित तक इसकी जानकारी पहुंचनी चाहिए, ताकि कोई भी न्याय से वंचित न रहे।

दुनियाभर में कुख्यात वित्त कारोबारी और दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन का घिनौना मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। नए-नए खुलासों और दस्तावेजों ने दुनियाभर के कई बड़े नेताओं और अरबपतियों की नींद उड़ा दी है। इसी बीच इस मामले में बैंक ऑफ अमेरिका और पीड़ित महिलाओं के वकीलों के बीच हुए समझौते के तहत 7.25 करोड़ डॉलर (करीब 600 करोड़ रुपये) का एक फंड बनाया गया है, जिससे पीड़ित महिलाओं को मुआवजा दिया जाएगा। अदालत के अनुसार, इस फंड का फायदा 60 से 75 महिलाओं को मिल सकता है, जिनका एपस्टीन ने 2008 के बाद यौन शोषण किया था। अमेरिकी जिला जज जेड एस. रैकॉफ ने इस समझौते को शुरुआती मंजूरी दे दी है और अंतिम सुनवाई 27 अगस्त को होगी। उन्होंने यह भी कहा कि सभी पीड़ितों तक इस फंड की जानकारी पहुंचनी चाहिए, ताकि कोई भी छूट न जाए। मामले में पीड़ित महिलाओं के वकीलों का आरोप था कि बैंक ऑफ अमेरिका ने एपस्टीन के संदिग्ध लेनदेन को नजरअंदाज किया, जबकि वह 2008 से 2019 के बीच लड़कियों और महिलाओं का शोषण कर रहा था।हालांकि बैंक ने आरोपों के बाद भी अपने बयान में कहा कि वह अपने पुराने रुख पर कायम है कि उसने किसी भी तरह के अपराध में मदद नहीं की, लेकिन इस समझौते से मामला खत्म होगा और पीड़ितों को कुछ राहत मिलेगी। जेफरी एपस्टीन को जुलाई 2019 में अवैध देह व्यापार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन अगस्त 2019 में न्यूयॉर्क की जेल में उसकी मौत हो गई, जिसे आत्महत्या बताया गया। इसके बाद से इस मामले में लगातार नए-नए मोड़ सामने आ रहे है, जिसने दुनियाभर के कई दिग्गजों की रातों की नींद उड़ा दी है।

क्यूबा में कैदियों की रिहाई, लेकिन उठे सवाल

हवाना, एजेंसी। क्यूबा सरकार ने करीब 2,000 कैदियों को रिहा करने का फैसला किया है, जिसे मानवीय कदम बताया जा रहा है। रिहाई के बाद कई परिवारों में खुशी का माहौल है। लोग अपने परिजनों से वर्षों बाद मिलकर भावुक हो गए। हालांकि, मानवाधिकार संगठनों ने इस फैसले पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यह साफ नहीं है कि रिहा किए गए लोगों में कितने राजनीतिक कैदी शामिल हैं। कई संगठनों का आरोप है कि क्यूबा सरकार असली मुद्दे को छिपा रही है और राजनीतिक कैदियों को लेकर पारदर्शिता नहीं दिखा रही।

ईरान का इस्लामाबाद में बैठक से साफ इनकार, नहीं हो पाया युद्धविराम

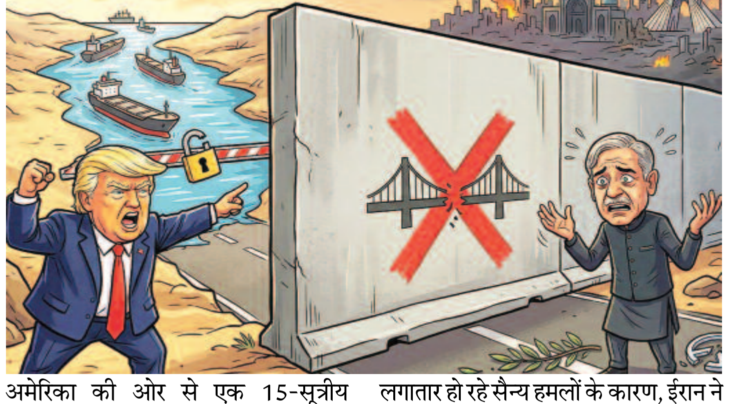

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान द्वारा अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम कराने के प्रयास पूरी तरह विफल हो गए हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने शुक्रवार को मध्यस्थों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। ईरान ने पाकिस्तान सहित मध्यस्थता करा रहे देशों को स्पष्ट संदेश दिया है कि वह आने वाले दिनों में इस्लामाबाद में अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात करने को तैयार नहीं है और अमेरिका की मांगों को पूरी तरह अस्वीकार्य मानता है। कुल मिलाकर ये बातचीत अब 'डेड एंड' पर पहुंच गई है।

ईरान का इनकार और अमेरिका की मांगें सूत्रों के अनुसार, ईरान ने युद्धविराम के लिए अपनी शर्तें दोहराई हैं। शुरुआती दौर में ईरान ने कहा था कि वह तभी युद्ध समाप्त करेगा जब अमेरिका युद्ध मुआवजा दे, मध्य पूर्व के अपने सभी सैन्य ठिकानों से वापसी करे और भविष्य में किसी भी हमले से सुरक्षा की गारंटी दे। इन मांगों पर कोई समझौता नहीं होने के कारण बातचीत अटक गई है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के नेतृत्व में बातचीत को आगे बढ़ाने की यह कोशिश कोई सफलता हासिल नहीं कर सकी। ईरान ने स्पष्ट किया है कि उसे अमेरिका की मांगें 'अस्वीकार्य' लगती हैं। वह पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठक के लिए अपने कोई अधिकारी को नहीं भेजेगा। इस कड़े रुख ने बातचीत की मौजूदा रूपरेखा के दरवाजे प्रभावी रूप से बंद कर दिए हैं।

पाकिस्तान की निकल गई हवा : पिछले कुछ हफ्तों से पाकिस्तान बैकडोर कूटनीति के जरिए अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहा था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विदेश मंत्री इशाक डार ने सार्वजनिक तौर पर इस्लामाबाद में सार्थक और निर्णायक वार्ता की मेजबानी करने की पेशकश की थी। इसी दिशा में पाकिस्तान ने अमेरिका की ओर से एक 15-सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव ईरान को सौंपा था। इससे पहले, चीन और पाकिस्तान ने भी संयुक्त रूप से एक 5-सूत्रीय शांति योजना पेश की थी। हालांकि, अमेरिका की कुछ कठोर रणनीतिक मांगों और जमीनी स्तर पर लगातार हो रहे सैन्य हमलों के कारण, ईरान ने इस बातचीत से अपने कदम पीछे खींच लिए। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच अविश्वास की खाई इतनी गहरी है कि पाकिस्तान के लिए दोनों पक्षों को एक मेज पर लाना कूटनीतिक रूप से एक बेहद जटिल काम था, जो अंततः विफल साबित हुआ। शांति प्रयासों को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र में एक अमेरिकी युद्धक विमान (स्न-15श्च) को मार गिराने का दावा किया। पश्चिमी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी विशेष बलों ने एक पायलट का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया है, जबकि दूसरे की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। तुर्की और मिस्र तलाश रहे नए विकल्प इस कूटनीतिक गतिरोध के कारण शांति प्रयास अधर में लटक गए हैं। इसे देखते हुए तुर्की और मिस्र अब इस समस्या का समाधान इस्लामाबाद से बाहर तलाश रहे हैं। दोनों देश युद्धविराम की बची-खुची उम्मीदों को बचाने के लिए नए स्थानों पर विचार कर रहे हैं, जिनमें दोहा (कतर) और इस्तांबुल (तुर्की) बातचीत की मेजबानी के लिए प्रमुख विकल्पों के रूप में उभरे हैं।

एक नजर

गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा के लिए जिम्मेदारियां सौंपी

चमोली। रविवार को उमट्टा गांव में डिम्मर–उमट्टा धार्मिक पंचायत की बैठक हुई। इस दौरान सात अप्रैल से शुरू होने वाली गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा में पड़ने वाले पड़ावों पर पूजा व्यवस्था, बालभोग, दोपहर व सायंकालीन भोग सहित अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। डिम्मर–उमट्टा धार्मिक पंचायत के उप सरपंच आशीष डिमरी और मंत्री मुकेश डिमरी ने बताया कि गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए 15 पंचों एवं पंचायत के सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। 6 अप्रैल को डिम्मर–उमट्टा से पुजारियों का दल नरेंद्रनगर राजमहल के लिए प्रस्थान करेगा। बैठक में डिम्मर, उमट्टा, जयकंडी, उत्तरों लंगासू, सिरतोली नाकोट, गोपथला, राड़खी, मजियाड़ी, नौली आदि गांवों के डिमरी पुजारी मौजूद थे।

गौंख गांव तक पैदल मार्ग के मरम्मत की मांग

चमोली।ज्योतिर्मठ से गौंख गांव तक के पैदल मार्ग की मरम्मत करवाने की मांग स्थानीय लोगों ने की। उन्होंने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा और नगर पालिका ज्योतिर्मठ को इसके लिए निर्देशित करने की मांग की। गौंख विकास संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि इंदिरा प्वाइंट से गौंख को जोड़ने वाला पैदल मार्ग बदहाल हो गया है। इससे ग्रामीणों को कृषि कार्य के लिए अपने खेतों तक जाने में दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। ज्ञापन देने वालों में अरुण कुमार शाह, लक्ष्मी, प्रदीप भट्ट, विराज बिष्ट, अनिल नंबूरी, राजेश भट्ट, भरत बिष्ट आदि लोग शामिल रहे।

यात्रा के लिए श्रीनगर रोडवेज अलर्ट, छुट्टियां पर रोक

श्रीनगर गढ़वाल। आगामी चारधाम यात्रा को लेकर श्रीनगर रोडवेज ने तैयारियां तेज कर दी हैं। ऋषिकेश स्थित एजीएम कार्यालय से यात्रा को लेकर सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशों के तहत यात्रा अवधि में किसी भी चालक और परिचालक को अवकाश नहीं दिया जाएगा। सभी की छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं ताकि बस संचालन में कोई बाधा न आए। रोडवेज श्रीनगर के प्रभारी अशोक काला ने बताया कि केवल विशेष परिस्थितियों में ही अवकाश स्वीकृत किया जाएगा। बसों की स्थिति, समय संचालन और अन्य व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त किया जा रहा है।

मिनी स्टेडियम पूरा नहीं होने पर गुस्सा

बागेश्वर। तहसील के धराडी गांव में मिनी स्टेडियम पूरा नहीं होने पर ग्रामीणों ने कड़ी आपत्ति जताई है। विरोध में ग्रामीाणों ने प्रदर्शन किया। कहा कि भूमि दान देने के बाद भी आज तक स्टेडियम पूरा नहीं हो रहा है। चेतावनी दी कि यदि मांग पूरी नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि 48 लाख की लागत से नौ साल पहले स्टेडियम का निर्माण शुरू हो गया। कार्यदाई संस्था पेयजल निगम रानीखेत ने अभी तक निर्माण कार्य पूरा नहीं किया है, जबकि गांव के माजिला बंधुओं ने 11 नाली भूमि दान की थी। मुख्यमंत्री, विधायक पूर्व विधायक,जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी, क्रीड़ाधिकारी से कई बार गुहार लगाई, लेकिन आज तक पूरा नहीं हो पाया है। 92 वर्षीय पूर्व शिक्षक रूप सिंह माजिला ने बताया न यहां शौचालय है, न चेंजिंग रूम, न मैदान समतलीकरण और न ही सडक, पेयजल और बिजली की कोई व्यवस्था हो पाई है। क्षेत्रीय खेल प्रतिभाओं को बेहतर नहीं मिल पा रहा है।

ओलावृष्टि से तबाह हुई फसलें, किसानों को भारी नुकसान

बागेश्वर। शनिवार रात से रुक–रुक कर हो रही बारिश के बाद रविवार को मौसम ने अचानक विकराल रूप ले लिया। तेज आकाशीय बिजली और हवाओं के बीच कपकोट के ग्रामीण इलाकों में जमकर ओलावृष्टि हुई, जिससे खेतों में खड़ी रबी की फसलें गिर गईं और भारी नुकसान की आशंका है। ओलावृष्टि का सबसे ज्यादा असर गेहूं, सरसों, जौ और मसूर की फसलों पर पड़ा है।

बदरीनाथ की ऊंची चोटियों पर हुई बर्फबारी

चमोली। बदरीनाथ धाम की ऊंची चोटियों पर रविवार को बर्फबारी हुई जबकि बदरीनाथ धाम सहित निचले क्षेत्रों में बारिश से ठंड बढ़ गई है। वहीं लगातार हो रही बारिश से काश्तकारों की चिंताएं बढ़ गई हैं। रविवार को सुबह से मौसम बदला रहा। दोपहर बाद बदरीनाथ धाम में बारिश और ऊंची चोटियों में बर्फबारी शुरू हुई। हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी सहित अन्य ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी बर्फबारी हुई है। बदरीनाथ धाम में कई दिनों से रुक–रुककर बारिश हो रही है और कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इससे धाम में मास्टर प्लान के कार्य काफी प्रभावित हो रहे हैं। वहीं निचले क्षेत्रों में भी शनिवार और रविवार को दोपहर बाद बारिश हुई है। कई दिनों से मौसम का मिजाज बदला होने से गोपेश्वर सहित आसपास के इलाकों में ठंड काफी बढ़ गई है। उधर लगातार हो रही बारिश से अब काश्तकार चिंतित होने लग गए हैं। पोखरी क्षेत्र के काश्तकार शिवराज राणा, देवेंद्र सिंह, बीरेंद्र सिंह, संदीप आदि का कहना है कि गेहूं, जौ की फसल पकने के कगार पर है। यदि बारिश का सिलसिला ऐसा ही रहा तो फसल पर इसका काफी बुरा असर पड़ेगा। साथ ही खेतों में नमी बढ़ने से धान की बुआई में भी दिक्कत आ सकती है। केदारनाथ, तुगनाथ व मद्महेश्वर में हुई बर्फबारीः ऊंचाई वाले हिमालयी क्षेत्रों में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। प्रसिद्ध शिव तीर्थ केदारनाथ, तुंगनाथ और मदमहेश्वर मंदिर क्षेत्रों में रविवार को भी बर्फबारी हुई जबकि निचले इलाकों में तेज से बारिश हुई है। केदारनाथ धाम में बर्फ की सफेद चादर बिछी है। निचले इलाकों में रुद्रप्रयाग, ऊखीमठ और आसपास के क्षेत्रों में बारिश होने से तापमान में गिरावट आई है।

जिला बार एसोसिएशन चुनाव के लिए सरगर्मियां तेज, 10 को मतदान

नई टिहरी। जिला बार एसोसिएशन चुनाव के लिए सरगर्मियां तेज हो गई है। 10 अप्रैल को जिला बार एसोसिएशन के विभिन्न पदों के लिए मतदान होगा। चुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। आनंद प्रकाश सेमल्टी को चुनाव अधिकारी और अरविंद सिंह खरोला को सहायक चुनाव अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष, पुस्तकालय अध्यक्ष व आडिटर पद के लिए सात अप्रैल को पूर्वाह्न 11 बजे से शाम 4 बजे तक नामांकन होगा। नामांकन पत्रों की जांच 8 अप्रैल को होगी। अगले दिन 9 अप्रैल को अपराह्न 1 बजे से शाम 4 बजे तक नाम वापसी की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है।

चारधाम यात्रा पर रहेगी विशेष नजर : एसएसपी

नई टिहरी। जिले की नवनियुक्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने महिला सुरक्षा, सुदृढ़ कानून–व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, चारधाम यात्रा की सुचारू व्यवस्थाएं और नशे के खिलाफ प्रभावी अभियान को अपनी प्राथमिकता बताया। रविवार को पदभार ग्रहण करने के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में एसएसपी चौबे ने कहा कि जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के साथ आमजन में सुरक्षा की भावना को और मजबूत किया जाएगा। महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए ठोस रणनीति के तहत कार्य किया जाएगा। चारधाम यात्रा को देखते हुए पुलिस व्यवस्थाओं को पहले से अधिक चुस्त–दुरुस्त किया जाएगा। नशामुक्त टिहरी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए ड्रग्स पैडलरों और तस्करी के रूट्स पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। एसएसपी ने पुलिस–जन संवाद को सशक्त बनाने पर भी जोर देते हुए कहा कि सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रमों के माध्यम से आम लोगों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। इससे अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी। पुलिस और जनता के बीच विश्वास भी मजबूत होगा। साइबर अपराधों के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए गांवों में चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे पूर्व एसएसपी ने पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया।

आंधी से बिजली लाइन पर गिरा पेड़, 12 गांवों की आपूर्ति बंद

चमोली। रविवार को मौसम खराब रहा और बारिश हुई। आंधी चलने से निजमुला घाटी की बिजली लाइन पर एक पेड़ गिर गया जिससे घाटी के करीब 12 गांवों में बिजली सप्लाई बंद हो गई है। वहीं लगातार हो रही बारिश के कारण ऊर्जा निगम के कर्मचारी लाइन जोड़ने का काम शुरू नहीं कर पाए। रविवार अपराह्न क्षेत्र में बारिश शुरू हुई। इसी बीच मल्ला बिरही व टिटरी तोक के बीच चीड़ का एक सूखा पेड़ बिजली लाइन पर जा गिरा। इससे लाइन टूट गई है। सूचना पर ऊर्जा निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया लेकिन लगातार हो रही बारिश के कारण लाइन को जोड़ने का काम शुरू नहीं हो पाया। हाइटेंशन लाइन टूटने से निजमुला घाटी के गाड़ी, ब्यारा, झींझी, निजमुला, पगना, पाणा, ईराणी, मौली हडूंग सहित करीब 13 गांवों में बिजली गुल हो गई। वहीं निचले क्षेत्रों में भी बिजली सप्लाई बंद हो गई थी जिसे चालू कर दिया गया है। ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता प्रदीप शर्मा ने बताया कि बारिश थमने पर लाइन को जोड़ दिया जाएगा। निचले क्षेत्र में बिजली आपूर्ति शुरू कर दी गई है।

प्रावि जैली के छात्रों ने किया शैक्षिक भ्रमण

रुद्रप्रयाग। राजकीय प्राथमिक विद्यालय जैली के छात्र–छात्राओं ने शैक्षिक भ्रमण कर धार्मिक और प्राकृतिक स्थलों की जानकारियां हासिल की।

भ्रमण कार्यक्रम के तहत विद्यालय का 14 सदस्यीय दल तुंगेश्वर महादेव मंदिर त्यूंग पहुंचा यहां उन्होंने पूजा–अर्चना की और मंदिर का धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व जाना। इसके बाद दल सौर भूतनाथ धाम पहुंचा और डायरी लेखन व आध्यात्मिक गतिविधियों में भाग लिया। भ्रमण का अंतिम पड़ाव मंदाकिनी की आवाज सामुदायिक रेडियो केंद्र गड़सारी रहा। यहां विद्यार्थियों ने रेडियो प्रसारण की जानकारी लीं और अपनी कविताओं और लोकगीतों की रिकॉर्डिंग कराई।

बिजली गिरने से रेस्टोरेंट में लगी आग, सिलिंडर फटने से हुई विकराल

चमोली–कुंड हाईवे पर मंडल में बिजली गिरने से एक रेस्टोरेंट में भीषण आग लग गई। रेस्टोरेंट पर ताला लगा हुआ था। यहां रखे गैस सिलिंडर के फटने से आग विकराल हो गई। सूचना पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। आग से रेस्टोरेंट में रखा अधिकांश सामान जल गया। मंडल में जड़ी–बूटी शोध संस्थान के समीप एक रेस्टोरेंट स्थित है। पुलिस चौकी प्रभारी विपिन त्यागी ने बताया कि रविवार को अपराह्न करीब तीन बजे बारिश के दौरान बिजली गिरने से अचानक रेस्टोरेंट में आग लग गई। रेस्टोरेंट में सिलिंडर भी रखा था जो आग लगने से फट गया और आग विकराल हो गई। इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस चौकी को दी। अग्निशमन विभाग को इसकी सूचना दी गई जिस पर टीम दो वाहनों के साथ मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि रेस्टोरेंट स्थानीय मनीष नौटियाल का है और ऋषिकेश निवासी राजीव गुप्ता को किराये पर दिया गया है। इन दिनों रेस्टोरेंट बंद था। बताया कि प्रथम द्रष्टया बिजली गिरने के बाद रेस्टोरेंट में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगने की सूचना है। इसकी जांच भी की जा रही है। आग बुझाने में अग्निशमन अधिकारी नरेश सिंह, अनूप सिंह, यशवंत सिंह, पवन सिंह, अंकित सिंह, रश्मि आदि मौजूद रहे।

ऑपरेशन प्रहार का प्रहारः बागेश्वर पुलिस ने स्मैक तस्करी की कमर तोड़ी

बागेश्वर। उत्तराखण्ड में मादक पदार्थों के विरुद्ध चल रहे सघन अभियान ऑपरेशन प्रहार के अंतर्गत बागेश्वर पुलिस ने एक बार फिर अपनी सक्रियता और सतर्कता का परिचय देते हुए स्मैक तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र मेहरा के सख्त निर्देशों के अनुपालन में जनपदभर में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत एसओजी टीम ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध स्मैक (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार कर तस्करी के नेटवर्क पर प्रभावी चोट की है। घटना 04 अप्रैल 2026 की है, जब पुलिस टीम ने संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर कार्रवाई करते हुए अभियुक्त हर्षित टम्टा उर्फ हरीश कुमार (उम्र 20 वर्ष), निवासी घटबगढ़ वार्ड, कोतवाली बागेश्वर को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 4.54 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई, जो क्षेत्र में फैल रहे नशे के कारोबार की गंभीरता को उजागर करती है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अभियुक्त के विरुद्ध कोतवाली बागेश्वर मेंाकफ संख्या 21/26 के तहत धारा 08/21 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली एसओजी टीम में उपनिरीक्षक जीवन सामन्त के नेतृत्व में कांस्टेबल रमेश सिंह, संतोष सिंह और भुवन बोरा शामिल रहे, जिन्होंने सूझबूझ और मुस्तैदी के साथ इस ऑपरेशन को सफल बनाया। गौरतलब है कि ऑपरेशन प्रहार के तहत बागेश्वर पुलिस लगातार नशे के अवैध कारोबार पर शिकंजा कस रही है। यह कार्रवाई न केवल अपराधियों के लिए सख्त संदेश है, बल्कि समाज में नशामुक्ति की दिशा में पुलिस की दृढ़ प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

नगर में चलाया स्वच्छता अभियान

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा की तैयारियों के तहत मुख्य बाजार में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान कचरा हटाने के साथ ही नालियों की सफाई भी की गई। मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में बाजार क्षेत्र से ठोस कचरा एकत्र कर उसका निस्तारण किया गया। इस दौरान व्यापारियों और लोगों को कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष गुप्तकाशी विशेश्वरी देवी, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार, ब्लॉक प्रमुख ऊखीमठ पंकज शुक्ला, नगर पंचायत अध्यक्ष गुप्तकाशी विशेश्वरी देवी, पार्षद गुप्तकाशी गौरव रावत, व्यापार संघ अध्यक्ष गुप्तकाशी चुन्नी लाल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

संसाधनों के अभाव में जूझ रहा है बालगंगा महाविद्यालय

नई टिहरी। बालगंगा महाविद्यालय में कक्षा–कक्षों और प्रयोगशालाओं का अभाव छात्र–छात्राओं के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है। हर साल बढ़ती छात्रसंख्या के बावजूद संसाधनों का विस्तार नहीं होने से पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वर्तमान में महाविद्यालय में करीब 700 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। कक्षा–कक्ष और प्रयोगशालाओं की संख्या 15 तक ही सीमित रह गई है। महाविद्यालय में सबसे अधिक दिक्कत विज्ञान संकाय के छात्रों को हो रही है। प्रयोगशालाओं के अभाव में छोटे–छोटे कमरों में ही प्रयोगात्मक कार्य कराए जा रहे हैं। जिससे पढ़ाई की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है। भिलंगना टिहरी जिले का सबसे बड़ा विकासखंड है जहां 180 ग्राम पंचायतें आती हैं। उच्च शिक्षा के लिए यही एकमात्र संस्थान है। वर्ष 1991 में क्षेत्रीय लोगों ने अपने संसाधनों से सेंदुल में निजी भवन पर महाविद्यालय की स्थापना की थी। बाद में छात्रसंख्या बढ़ने पर ग्रामीणों ने 50 नाली भूमि दान में दी, जिसके बाद बालगंगा शिक्षा प्रसार समिति ने वर्ष 2001 में भवन निर्माण कराया। वर्ष 2015–16 में महाविद्यालय में विज्ञान संकाय शुरू होने के बाद छात्र संख्या में तेजी से वृद्धि हुई लेकिन आधारभूत सुविधाओं का विस्तार उस अनुपात में नहीं हो सका। स्थानीय लोगों की मांग पर टीएचडीसी ने एक तीन मंजिला भवन स्वीकृत किया गया था, लेकिन दो वर्ष पूर्व पहली मंजिल का निर्माण पूरा होने के बाद शेष कार्य अधूरा पड़ा है।

ई–रिक्शा के हर चौराहे पर मनमाने स्टॉपेज, बढ़ रहा खतरा

हल्द्वानी। शहर की सड़कों पर ई–रिक्शा अब सुविधा से ज्यादा अव्यवस्था और खतरे का पर्याय बनते जा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि शायद ही कोई दिन गुजरता हो जब ई–रिक्शा से जुड़ी दुर्घटना की खबर सामने न आती हो। नियमों की खुलेआम अनदेखी, अवैध स्टैंड और मनमाने स्टॉपेज ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह से चरमरा दिया है। रामपुर रोड स्थित सुशीला तिवारी अस्पताल के पास रोजाना लगने वाला अवैध ई–रिक्शा स्टैंड जाम का बड़ा कारण बना हुआ है। यहां सड़क पर ही खड़े ई–रिक्शा न केवल ट्रैफिक को बाधित करते हैं, बल्कि एंबुलेंस और आपातकालीन सेवाओं के लिए भी परेशानी खड़ी करते हैं।मुखानी चौराहे पर स्थिति और भी गंभीर है, जहां नो–पार्किंग जोन में ही ई–रिक्शा चालक सवारियां भरते नजर आते हैं। इससे यातायात बाधित होता है और दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है। वहीं नैनीताल रोड के एमबी तिराहे पर ई–रिक्शा चालक रॉन्ग साइड से वाहन निकालते हैं, जो कभी भी बड़े हादसे की वजह बन सकता है।जगदंबा नगर में मोड़ पर बना अवैध ई–रिक्शा स्टैंड जाम और दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है। इसी तरह कालाढूंगी रोड पर सवारी पकड़ने की होड़ में चालक नियमों को ताक पर रखकर कहीं भी वाहन रोक देते हैं। शहर की सड़कों पर ओवरलोडिंग भी आम बात हो गई है, जिससे ई–रिक्शा असंतुलित होकर हादसे का शिकार हो सकते हैं।– लगातार बिगड़ती व्यवस्था पर आरटीओ गुरदेव सिंह ने कहा कि ई–रिक्शा चालकों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और व्यवस्था सुधारने के लिए जल्द ही प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

जैम फैक्ट्री में 25 लाख से लगाया कंपोस्ट प्लांट

काशीपुर। जवाहर नगर की बंद जैम फैक्ट्री में निगम ने 25 लाख रुपये से कंपोस्ट प्लांट लगाया। घर और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले एक मिट्रिक टन गीले कूड़े से यहां कंपोस्ट खाद बनाई जाएगी, जिससे कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है।नगर निगम घर और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले सूखे और गीले दोनों कूड़े को ट्रेंचिंग ग्राउंड में जमा करता है, जिससे यहां कूड़े के पहाड़ जमा हो गए हैं। इसके समाधान के लिए नगर निगम ने कवायद शुरू की है। गीले कूड़े से कंपोस्ट खाद बनाने के लिए जवाहर नगर की बंद जैम फैक्ट्री में पच्चीस लाख रुपये की लागत से कंपोस्ट प्लांट लगा दिया गया है। बंद पड़ी फैक्ट्री की जमीन को पहले ही नगर निगम ने अपने कब्जे में ले लिया है।

छात्राओं ने नंदा देवी राजजात गीत, राजस्थानी नृत्य की दी प्रस्तुति

रुद्रप्रयाग। ब्लॉक अगस्त्यमुनि के राजकीय प्राथमिक विद्यालय चमस्वाड़ा की स्थापना वर्ष 1965 में हुई थी। मगर इस बार पहली बार स्कूल के वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत वीर सैनिकों की शौर्य दीवार पर पुष्पांजलि के साथ हुई। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं ने नंदा देवी राजजात गीत, राजस्थानी नृत्य, देशभक्ति गीत, कविता और एकल प्रस्तुतियां दीं। स्कूल प्रबंधन समिति का झुमैलो नृत्य भी आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर ग्राम के पूर्व प्रधानों और वर्तमान जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य सम्पन्न सिंह नेगी ने विद्यालय के लिए चहारदीवारी निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजने और लगभग ढाई लाख रुपये देने की घोषणा की। नगर पालिका अध्यक्ष संतोष रावत और अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी सहयोग का भरोसा दिया। कार्यक्रम में कक्षा 5 पास करने वाले 9 छात्र–छात्राओं और पूर्व विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाध्यापिका पूनम भट्ट ने विद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान संपन्न सिंह नेगी, संतोष रावत, त्रिभुवन चौहान, यशवंत सिंह बुटोला, मनोज रावत, दशरथ सिंह, भरत सिंह नेगी, लक्ष्मण बुटोला आदि सहित बड़ी संख्या में अभिभावक और ग्रामीण मौजूद रहे।

कांग्रेस ने दिया ब्लॉक आंदोलन को समर्थन

बागेश्वर। ब्लॉक की मांग को लेकर कालिका मंदिर में महातपस्या के तहत 14वें दिन क्रमिक अनशन जारी रहा। आंदोलन को कांग्रेस ने अपना समर्थन दिया। पूर्व शिक्षक नेता गिरधारी सिंह रावत, ग्राम प्रधान भेट नंद राम तथा राजेंद्र बोरा अनशन पर बैठे। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि ब्लॉक की मांग को लेकर उनका आंदोलन जारी है वह आगे भी जारी रहेगा। पूर्व सांसद कांग्रेस नेता प्रदीप टम्टा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश ऐठानी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष अर्जुन भट्ट आदि ने आंदोलन स्थल पर पहुंचकर अपना समर्थन दिया। अध्यक्षता भूतपूर्व सैनिक बलवीर सिंह भंडारी ने की। इस मौके पर दरपान सिंह धपोला, पंकज कुमार, विनोद कुमार, गणेश कुमार, अर्जुन माजिला, मनीष पंत, भैरवदत्त चंदोला, अनिल चंदोला, गंगा लाल वर्मा, वीरेंद्र नगरकोटी, प्रकाश नगरकोटी, निर्मल साह आदि मौजूद रहे।

रमनगर में आधार केंद्रों की संख्या बढ़ाने की मांग

काशीपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत ने रामनगर तहसील मुख्यालय में नैनीताल के अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह नेगी एवं उपजिलाधिकारी गोपाल सिंह चौहान से भेंट कर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने एक मांग पत्र भी सौंपा। मांग पत्र में रामनगर में आधार सेवा केंद्र की व्यवस्था को सुचारू करने और आधार केंद्रों की संख्या बढ़ाने की मांग की गई। इसके साथ ही जिला प्रशासन से मोहल्ला पंपापुरी, भरतपुरी, कौशल्यपुरी एवं दुर्गापुरी के नियमितीकरण की प्रक्रिया, ग्राम चुकुम के विस्थापन, नया झिरना, लालढांग आदि ग्रामों के सर्वेक्षण की प्रगति की जानकारी प्राप्त की गई। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की मंशा एवं जनहित की भावना के अनुरूप सभी प्रक्रियाओं में तेजी लाने का अनुरोध किया।

नेशनल हाईवे 74 पर कार ई–रिक्शा की जोरदार भिड़ंत

काशीपुर। केलाखेड़ा में नेशनल हाईवे 74 पर रविवार को तेज रफ्तार कार ने ई–रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में महिला और बच्चों समेत 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सरकारी अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बार सभी हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। गांव बाजावाला केलाखेड़ा निवासी ई–रिक्शा चालक 18 वर्षीय लवजीत सिंह पुत्र मलकीत सिंह, 50 वर्षीय बलजीत कौर पत्नी बगीचा सिंह, 26 वर्षीय परमजीत कौर पुत्री गुरमीत सिंह, सीमा कौर पत्नी तरन सिंह, 12 वर्षीय कोमल कौर पुत्री तरन सिंह और 11 वर्षीय मनिंदर सिंह पुत्र तरन सिंह रविवार को ई–रिक्शा से गांव फसियापुर स्थित गुरुद्वारा साहिब जा रहे थे। बताया जा रहा है कि नेशनल हाईवे पर मसीत के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने ई–रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ई–रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में लवजीत सिंह, बलजीत कौर, परमजीत कौर, सीमा कौर, कोमल कौर और मनिंदर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि सीमा कौर का 6 वर्षीय बेटा ज्योत सिंह बाल–बाल बच गया।

आईपीएल 2026: सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर लखनऊ सुपर जाएंट्स ने दर्ज की जीत, ऋषभ पंत की बेहतरीन पारी

हैदराबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का 10वां लीग मैच सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेला गया। जिसे लखनऊ सुपर जाएंट्स ने 1 गेंद शेष रहते हुए 5 विकेट से अपने नाम किया। ये मुकाबला आखिरी ओवर तक रोमांचक रहा। इस दौरान लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने दमदार अर्धशतकीय पारी खेली। जबकि मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव और आवेश खान ने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

वहीं टॉस गंवा कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद ने हेनरिक क्लासेन और नितीश कुमार रेड्डी के अर्धशतकों के दम पर 156 रन बनाए। जिसके जवाब में लखनऊ ने 5 विकेट खोकर 19.5 ओवर में 157 रनों का टारगेट चेज कर लिया। इस दौरान पंत ने 68 रन बनाकर नाबाद लौटे।

इस दौरान एडेन मार्करम और मिचेल मार्श की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 37 रन की साझेदारी की। मार्श ने 12 गेंदों पर 14 रन बनाकर आउट हुए वहीं मार्करम ने 27 गेंदों पर 45 रन का योगदान दिया। उन्होंने 6 और 2 छक्के जड़े। आयुष बडोनी 12 रन बनाकर आउट हुए वहीं निकोलस पूरन एन रन बनाकर रनआउट हो गए। पंत ने 50 गेंदों पर नाबाद 68 रन बनाए। उन्होंने चौका जडकर टीम को पहली जीत दिलाई। पंत ने अपनी मैच विनिंग पारी में 9 चौके लगाए।

इससे पहले शमी के करिश्माई स्पैल के बाद हेनरिक क्लासेन और नीतिश कुमार रेड्डी की आक्रामक शतकीय साझेदारी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 9 विकेट पर 156 रन बनाए। शुरुआती 10 ओवर में 35 रन पर चार विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही हैदराबाद के लिए क्लासेन और नीतिश रेड्डी ने आक्रमण ही सर्वश्रेष्ठ बचाव की रणनीति पर अमल किया। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 63 गेंदों में 116 रन की रिकॉर्ड साझेदारी के दौरान सात छक्के जड़े। दोनों के जल्दी- जल्दी आउट होते ही लखनऊ ने मैच पर फिर से पकड़ बना ली और मेजबान टीम को 160 रन से नीचे रोकने में सफलता हासिल की।

एक दिवसीय वर्ल्ड कप 2027 पर हार्दिक पांड्या की नजर

– 10 ओवर गेंदबाजी के लिए कर रहे खास तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अभी से वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पांड्या ने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट को स्पष्ट कर दिया है कि वह 2027 विश्व कप का हिस्सा बनना चाहते हैं। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए वह पिछले कुछ महीनों से अपनी गेंदबाजी पर खास काम कर रहे हैं। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स की सबसे बड़ी शर्त यह है कि पांड्या वनडे क्रिकेट में जरूरत पड़ने पर पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने के लिए पूरी तरह फिट रहें। हालांकि हर मैच में उनसे पूरा स्पेल नहीं कराया जाएगा, लेकिन टीम को जब जरूरत हो, तब वह यह जिम्मेदारी निभा सकें। यही कारण है कि पांड्या अपनी फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

इस दिशा में उनकी प्रगति का संकेत विजय हजारे ट्रॉफी में देखने को मिला, जहां उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ मुकाबले में पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके। इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया कि वह लंबा स्पेल डालने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्हें इसी वजह से शामिल नहीं किया गया था क्योंकि तब वह 10 ओवर गेंदबाजी के लिए पूरी तरह फिट नहीं माने गए थे। वर्ल्ड कप 2027 दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा, जहां की पिचें तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती हैं। ऐसे में हार्दिक पांड्या जैसे सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर की भूमिका टीम के लिए बेहद अहम हो सकती है। हालांकि, चयनकर्ता उनकी फिटनेस को लेकर सतर्क हैं, क्योंकि वह पहले भी चोट के कारण लंबे समय तक टीम से बाहर रह चुके हैं।

पांड्या के बैकअप के तौर पर चयनकर्ताओं की नजर नितीश कुमार रेड्डी पर भी बनी हुई है। उन्होंने भी घरेलू क्रिकेट में अपनी गेंदबाजी पर काम किया है और वर्कलोड बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर पांड्या के पिछले रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर उन्होंने 6 वनडे मैचों में 44 ओवर गेंदबाजी कर 4 विकेट लिए थे और उनका इकॉनमी रेट 4.90 रहा था। हालांकि बल्लेबाजी में वह ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके थे। कुल मिलाकर, हार्दिक पांड्या का फोकस साफ है फिटनेस, निरंतरता और ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर वह 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के लिए अहम भूमिका निभाना चाहते हैं।

ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में समीर, बिश्नोई शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अब तक हुए मुकाबलों के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए दावेदार सामने आये हैं। आईपीएल में अबतक 9 मुकाबलों के बाद आरेंज कैप की दौड़ में दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजरी शीर्ष पर पहुच गये हैं। उनके पीछे ईशान किशन और रोहित शर्मा के अलावा आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी भी हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में रवि बिश्नोई पहले नंबर पर है उनके पीछे विजयकुमार वैशाक, टी नटराजन, लुंगी एनगिडी, जयदेव उनादकट और प्रसिद्ध कृष्णा हैं।

पिछले सीजन के पर्पल कैप विजेता प्रसिद्ध कृष्णा ने इस बार भी बेहतर प्रदर्शन कर दौड़ में अपने को बरकरार रख हैं। इस बार समीर और आयुष जैसे नये खिलाड़ी भी पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं।

ऑरेंज कैप के पहले नंबर के दावेदार

समीर ने 2 मैचों में 160 रन बनाए हैं, दोनों मुकाबलों में अर्धशतक लगाय है। वे जाहिर तौर पर ऑरेंज कैप के बड़े दावेदार दिख रहे हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के रोहित ने एक अर्धशतक सहित113 रन बनाए लिए हैं। वहीं केकेआर के अंगकृष रघुवंशी ने अब तक दोनों मैचों में अर्धशतक लगाते हुए कुल 103 रन बना लिए हैं। पंजाब किंग्स के कूपर कॉनोली ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी कर 108 रन बनाये हैं।

वहीं पर्पल कैप की बात करें तो रवि विश्नोई के पांच विकेट है और वह सबसे आगे हैं। प्रसिद्ध कृष्णा 4 विकेट के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और पंजाब किंग्स का मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सोमवार को आईपीएल में अपने तीसरे मुकाबले मे पंजाब किंग्स के खिलाफ ईडन गार्डन में जीत की उम्मीद से उतरेगी। केकेआर का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर अपना खाता खोलना रहेगा। 2024 की विजेता केकेआर के लिए अब तक का सत्र बेहद खराब रहा है और उसे अपने दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले मैच में उसे मुम्बई इंडियंस जबकि दूसरे मैच में सनराइजर्स से हार का सामना करना पड़ा है। इससे टीम पर काफी दबाव है। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स अपने शुरुआती दोनो मैच जीतकर उत्साह से भरी है उसने पहले मैच में गुजरात टाइटंस और दूसरे मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स को हराया था। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो केकेआर और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल में कड़ी टक्कर हुई है, जिसमें कुल 35 मैचों में से केकेआर ने 21 और पंजाब ने 13 मैच जीते हैं पर ईडन में केकेआर हावी रही है उसने यहां 14 में से 9 मैच जीते हैं। केकेआर की कप्तानी आजिंक्य रहाणे जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर कर रहे हैं।

केकेआर की गेंदबाजी इस बार कमजोर है। उसे हर्षित राणा, आकाश दीप और मथीशा पथिराना जैसे तेज गेंदबाजों के बिना उतरना पड़ रहा है। इसके अलावा उसके कप्तान रहाणे की रणनीति भी अबतक विफल रही है। कप्तान के तौर पर रहाणे ने सबसे अधिक रन बनोय हैं पर वह टीम को प्रेरित नहीं कर पाये हैं। टीम के अन्य बल्लेबाजी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। फिन एलेन, टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे बल्लेबाजों का भी केकेआर सही तरीके से प्रयोग नहीं कर पायी है। अब तक केवल सिर्फ एलेन को मौका मिला है जबकि सीफर्ट और स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविंद्र अबक अंतिम ग्यारह से बाहर हैं। केकेआर के सुनील नारायण भी इस बार प्रभावित नहीं कर पाये। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन केवल बल्लेबाजी ही कर रहे है और गेंदबाजी नहीं कर रहे जिसका नुकसान कभी केकेआर को हो रहा है। इसके अलावा रोवमैन पावेल को भी अंतिम ग्यारह में अब तक अवसर नहीं मिला है। टीम के लिए राहत की बात ये है कि युवा कार्तिक त्यागी और युवा अंगकृष रघुवंशी का प्रदर्शन अच्छा रहा है पर इसके बाद भी टीम की बल्लेबाजी बेहद सामान्य रही है। रहाणे के सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरने से भी कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है। पांचवें नंबर के बाद बल्लेबाज क्रम कमजोर हुआ है। अपने मैच में केकेआर टीम सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 16 ओवर में 161 रन ही बना पायी निचले मध्य क्रम में रमनदीप सिंह और अनुकूल रॉय भी विफल रहे हैं। दूसरी ओर श्रेयस की कप्तानी में पंजाब के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। युवा कूपर कोनोली ने दो मैच में 108 रन बनाकर तीसरे नंबर पर प्रभावित किया है जबकि प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने भी टीम को अच्छी शुरुआत दी है। अय्यर ने बीच के ओवरों में अच्छीसाथ बल्लेबाजी की है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो अर्शदीप सिंह, मार्को यानसेन और विजयकुमार वैशाख के होने से गेंदबाजी बेहतर हुई है। स्पिन की कमान लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल संभालेंगे। कुल मिलाकर इस मैच में देखा जाये तो पंजाब का पलड़ा भारी है और वह अपने जीत के सिलसिले को बरकरार रखने उतरेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह (उपकप्तान), फिन एलेन, तेजस्वी दहिया, मनीष पांडे, रोवमैन पावेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, सार्थक रंजन, टिम सीफर्ट, राहुल त्रिपाठी, दक्ष कामरा, कैमरन ग्रीन, सुनील नारायण, रचिन रविंद्र, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, ब्लेसिंग मुजरबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी और उमरान मलिक।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, निहाल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, विजयकुमार वैशाख, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पायला अविनाश और शशांक सिंह।

सूर्यकुमार ने हार पर निराशा जतायी, हम 15 से 20 रन कम बना पाये

नई दिल्ली । सूर्यकुमार यादव ने मुंबई इंडियंस को आईपीएल के दूसरे ही मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली हार पर निराशा जताया है। नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के फिट नहीं होने के कारण सूर्या ने इस मैच में टीम की कप्तानी की थी। सूर्या के अनुसार इस मैच में उनकी टीम अगर 15 से 20 रन और बनाती तो परिणाम कुछ और होता। सूर्यकुमार ने कहा, जब आप पहले बल्लेबाजी कर रहे होते हैं, तो कितना स्कोर पर्याप्त रहेगा। इस बारे में नहीं जान सकते हैं। आप बस बल्लेबाजी करते रहते हैं। बाद में अंदाजा आया कि 180 से 185 एक अच्छा स्कोर होता। हम 15 से 20 रन पीछे रह गए। जहां तक विकेट की बात है वह ठीक था। फिर भी बल्लेबाजी को देखें हम 15–20 रन पीछे रह गए। हालांकि गेंदबाजों से अपनी भूमिका ठीक से निभाई। सूर्यकुमार ने इस मैच में 51 रन बनाये पर इसके बाद भी उनकी टीम 6 विकेट पर 162 रन ही बना पायी। नमन ने भी 21 गेंदों में 28 रन बनाये। मुम्बई की बल्लेबाजी को लेकर सूर्यकुमार ने कहा, मैं और नमन, हम दोनों गलत समय पर आउट हो गए, अगर ऐसे नहीं होते तो हम औसत से अधिक स्कोर बना देते। साथ ही कहा कि ऐसा भी होता है जब प्रयास के बाद भी सफलता नहीं मिलती।

शुभमन के अगले मैच तक फिट होने की संभावना : पार्थिव पटेल

मुम्बई। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल के अनुसार कप्तान शुभमन गिल के अगले मैच में खेलने की काफी संभावनाएं हैं। शुभमन चोटिल होने के कारण राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से बाहर रहे थे। इस मैच में टीम को उनकी कमी खली थी। इसी कारण प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि शुभमन अगले मैच तक फिट हो जाएंगे। इसी को लेकर पार्थिव ने कहा, इंजरी मैनेजमेंट के बारे में मुझे जानकारी नहीं है पर मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि वह ठीक हो जाएंगे। इससे अंदाजा होता है कि कि शुभमन की चोट अधिक गंभीर नहीं है। पार्थिव ने कहा कि शुभमन को कुछ दिन पहले ही मांसपेशियों में खिंचाव आया था। जिसके कारण उन्हें पिछले मैच में जगह नहीं दी गयी थी। उन्होंने कहा, उन्हें पहले गर्दन में मोच आई थी और कुछ दिन पहले मांसपेखी में खिंचाव आया था। हमें उम्मीद है कि वह अगले मैच तक फिट हो जाएंगे। यह चोट ज्यादा गंभीर नहीं लग रही है। टीम प्रबंधन उनकी फिटनेस पर नजर रख रहे हैं। गिल के बाहर होने से पिछले मैच में टीम की कप्तानी राशिद खान ने संभाली थी पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। वहीं मैच के बाद राशिद ने भी शुभमन की फिटनेस को लेकर कहा, वह ठीक हैं। उम्मीद है कि अगले मैच तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। उन्हें केवल मांसपेशी में खिंचाव है। इसलिए उम्मीद है कि वह जल्द वापसी करेंगे। शुभमन जैसे बेहतरीन बल्लेबाज के होने से टीम बड़ा स्कोर बना सकती है। गुजरात टाइटंस का अगला मैच 8 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स से होगा। गुजरात की टीम अभी तक दोनों मैच हार चुकी है, जबकि दिल्ली ने अपने दोनों मैच जीते हैं। ऐसे में टीम को जीत की राह पर लौटने के लिए शुभमन की वापसी बेहद जरूरी मानी जा रही है।

आईपीएल 2026: 'अब टी20 में फिनिशर जैसी कोई भूमिका नहीं', स्टीफन फ्लेमिंग का बड़ा बयान

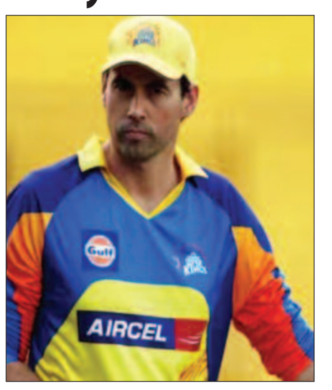

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि आधुनिक टी20 क्रिकेट में पारंपरिक फिनिशर की भूमिका अब पहले जैसी अहम नहीं रह गई है। उनका कहना है कि आज के खेल में बल्लेबाज शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हैं, जिससे मैच का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद फ्लेमिंग ने कहा कि अब टी20 क्रिकेट में हर बल्लेबाज पहली ही गेंद से बड़े शॉट खेलने की कोशिश करता है। पहले जहां टीमें 15-16 ओवर तक पारी को संभालकर खेलती थीं और अंत में तेजी लाती थीं, अब ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में शुरुआत से ही 10-12 रन प्रति ओवर की दर बनाए रखना जरूरी हो गया है, इसलिए टीमों को ऐसे बल्लेबाजों की जरूरत है जो पूरे मैच में आक्रामक खेल सकें।

सीएसके की टीम संरचना पर बात करते हुए फ्लेमिंग ने माना कि टीम में टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा है, जिससे मिडिल और लोअर ऑर्डर में पारंपरिक फिनिशर की कमी महसूस हो सकती है। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया कि टीम के पास पर्याप्त बल्लेबाजी ताकत मौजूद है। उन्होंने बताया कि डेवाल्ड ब्रेविस चोट के कारण बाहर हैं, जबकि महेंद्र सिंह धोनी भी फिट नहीं हैं। इन दोनों की अनुपस्थिति टीम के संतुलन को प्रभावित कर रही है। फ्लेमिंग ने संजू सैमसन का भी समर्थन किया, जो शुरुआती मुकाबलों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि सैमसन नेट्स में अच्छा अभ्यास कर रहे हैं और जब वह फॉर्म में आते हैं तो मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। इसलिए उनके खराब प्रदर्शन को लेकर ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है।

कोच ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे खेल का संतुलन बल्लेबाजों के पक्ष में झुक गया है। उनका मानना है कि इस नियम ने मैच की गति और रणनीति दोनों को प्रभावित किया है, जिससे गेंदबाजों के लिए चुनौती बढ़ गई है। वहीं, पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य की तेज पारी की भी चर्चा रही। इस पर उनके साथी शशांक सिंह ने कहा कि प्रियांश मानसिक रूप से बेहद मजबूत खिलाड़ी हैं और अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कम उम्र में जिस तरह की परिपक्वता दिखाई है, वह काबिल-ए-तारीफ है। कुल मिलाकर, फ्लेमिंग का मानना है कि टी20 क्रिकेट का नया दौर पूरी तरह आक्रामक बल्लेबाजी का है, जहां हर खिलाड़ी को शुरुआत से अंत तक तेज रन बनाने की जिम्मेदारी निभानी होती है।

हेनरिच क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से किया इनकार

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज हेनरिच क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की संभावनाओं को खत्म करते हुए साफ कर दिया है कि वह अब दोबारा राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलेंगे। 34 वर्षीय क्लासेन ने यह फैसला अपने परिवार को प्राथमिकता देने के कारण लिया है। गौरतलब है कि केंद्रीय अनुबंध नहीं मिलने के बाद उन्होंने पिछले साल जून में क्रिकेट के सभी अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों से संन्यास ले लिया था और तब से वह दुनियाभर की टी20 लीग में सक्रिय हैं। हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़े एक वीडियो में क्लासेन ने नीतिश कुमार रेड्डी के साथ बातचीत के दौरान अपने फैसले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वापसी को लेकर उन्होंने करीब दो हफ्तों तक गंभीरता से विचार किया, लेकिन अंततः यह तय किया कि अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटना सही नहीं होगा। क्लासेन ने स्वीकार किया कि टी20 विश्व कप के दौरान अपने साथियों को अच्छा प्रदर्शन करते देख उनके मन में वापसी का विचार जरूर आया था। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें महसूस हुआ कि वह टीम का हिस्सा क्यों नहीं हैं और उन्होंने दोबारा खेलने की इच्छा भी जताई थी। इस दौरान उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडन मार्करम से भी बातचीत की थी। हालांकि, क्लासेन ने बताया कि बातचीत के बाद भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई और विश्व कप के बाद उन्हें यह एहसास हुआ कि उनकी वापसी की संभावना कम है। इसके चलते उन्होंने दोबारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट न खेलने का अंतिम निर्णय ले लिया। बता दें कि क्लासेन ने 2024 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था और अब वह पूरी तरह से फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं। उनका यह फैसला दिखाता है कि आधुनिक क्रिकेट में खिलाड़ी अपने करियर और निजी जीवन के बीच संतुलन को कितना महत्व देने लगे हैं।

मेसी और सुआरेज के गोल से इंटर मियामी ने ऑस्टिन एफसी के साथ 2–2 से ड्रॉ खेला

नई दिल्ली। इंटर मियामी सीएफ ने 5 अप्रैल को मियामी के बीचों–बीच बने अपने नए और आधुनिक स्टेडियम में ऐतिहासिक होम ओपनर खेला। इंटर मियामी का मुकाबला ऑस्टिन एफसी से था। मैच 2–2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। मैच की शुरुआत में ऑस्टिन एफसी ने आक्रामक रुख अपनाते हुए छठे मिनट में बढ़त हासिल कर ली। गुइलहर्मे बिरो ने शानदार गोल दागकर मेहमान टीम को 1–0 से आगे कर दिया। हालांकि, इंटर मियामी ने जल्द ही वापसी की। टीम के कप्तान लियोनल मेसी ने बॉक्स के अंदर से बेहतरीन हेडर लगाकर क्लब का पहला ऐतिहासिक गोल किया और स्कोर 1–1 कर दिया। यह इस एमएलएस सीजन में मेसी का पहला गोल भी रहा। पहले हाफ के अंत तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं, लेकिन दूसरे हाफ में ऑस्टिन ने 53वें मिनट में एक और गोल कर बढ़त बना ली। इससे इंटर मियामी पर दबाव बढ़ गया, लेकिन टीम ने हार नहीं मानी। मैच के अंतिम चरण में कोच जेवियर माशेरानो ने रणनीतिक बदलाव करते हुए लुइस सुआरेज को मैदान पर उतारा। सुआरेज ने कोच के भरोसे को सही साबित करते हुए 82वें मिनट में कॉर्नर के बाद शानदार गोल कर स्कोर 2–2 से बराबर कर दिया। यह इस सीजन में उनका पहला गोल था और इसी के साथ इंटर मियामी ने अपने नए स्टेडियम में कम से कम एक अंक सुनिश्चित कर लिया। मैच के बाद माशेरानो ने स्वीकार किया कि टीम ने आखिरी 20–25 मिनट में काफी जोखिम उठाए, लेकिन घरेलू मैदान पर आक्रामक खेल दिखाना जरूरी था। उन्होंने यह भी कहा कि टीम अपने चैंपियन होने का दर्जा बनाए रखना चाहती है। पहला मैच ड्रॉ रहने के बावजूद इंटर मियामी के लिए यह एक सकारात्मक शुरुआत रही। क्लब पहले ही एमएलएस कप 2025, 2024 सपोर्टर्स शील्ड, और लीग्स कप 2023 जैसे बड़े खिताब जीत चुका है, और अब वह इस नई शुरुआत को और भी यादगार बनाने के इरादे से आगे बढ़ रहा है।

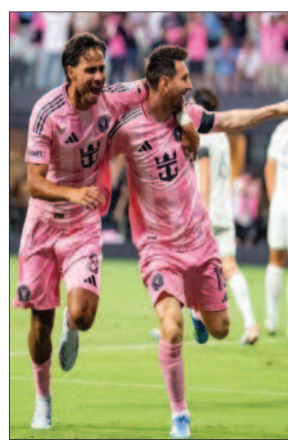

आईपीएल 2026: 'पिछला सीजन काफी खराब रहा', भारतीय स्पिनर ने खुद बताई अपनी बड़ी कमजोरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय स्पिनर रवि बिश्नोई ने अपने खराब पिछले सीजन और अपनी सबसे बड़ी कमजोरी को लेकर खुलकर बात की है। राजस्थान रॉयल्स के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपनी गेंदबाजी की सबसे बड़ी कमी पर काम किया, जिसका फायदा अब आईपीएल में मिल रहा है।

पिछला सीजन रहा मुश्किल

रवि बिश्नोई ने मैच के बाद कहा कि 'पिछला सीजन काफी कठिन रहा था, लेकिन मैंने अपने प्रोसेस पर भरोसा रखा।' उन्होंने कहा कि अगर उनकी लेंथ सही नहीं होती थी तो बल्लेबाज उन्हें आसानी से चौके-छक्के मार देते थे। यही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी थी, जिस पर उन्होंने पूरे घरेलू सीजन में काम किया।

बिश्नोई ने बताया कि 'जब उनकी लेंथ सही जगह पर पड़ती है तो बल्लेबाजों के लिए रन बनाना मुश्किल हो जाता है, लेकिन जब गेंद ज्यादा फुल हो जाती है तो उन्हें मार पड़ती है।'

घरेलू क्रिकेट में किया सुधार

बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने ऑफ सीजन और घरेलू क्रिकेट के दौरान अपनी गेंदबाजी पर काफी मेहनत की। उन्होंने मानसिक, तकनीकी और शारीरिक - तीनों पहलुओं पर काम किया, जिसका परिणाम अब देखने को मिल रहा है।

आईपीएल में शानदार वापसी

आईपीएल 2026 में रवि बिश्नोई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में चार महत्वपूर्ण विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। यह गुजरात के खिलाफ किसी स्पिनर का बेहतरीन प्रदर्शन भी रहा।

LSG के लिए ऐसा रहा प्रदर्शन

रवि बिश्नोई 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े थे। पहले दो सीजन में उन्होंने 13 और 16 विकेट लिए, लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन गिर गया। आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैच में 10 विकेट लिए, जबकि पिछले सीजन में 11 मैच में सिर्फ 9 विकेट ही ले सके और उनका इकॉनमी रेट भी काफी ज्यादा रहा।

पर्पल कैप की रेस में आगे

आईपीएल 2026 में बिश्नोई शानदार फॉर्म में हैं और दो मैचों में पांच विकेट लेकर पर्पल कैप की रेस में आगे चल रहे हैं। अब उनका अगला मुकाबला मुंबई इंडियंस के खिलाफ 7 अप्रैल को गुवाहाटी में खेला जाएगा।

टॉमी पॉल ने टियाफो को हराकर पहले एटीपी टूर क्ले फाइनल में जगह बनाई

ह्यूसटन। टॉमी पॉल ने 5 अप्रैल को ह्यूस्टन में यूएस मेन्स क्ले कोर्ट चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में फ्रांसिस टियाफो को हराकर अपने पहले एटीपी टूर क्ले फाइनल में जगह बनाई। अमेरिकी खिलाड़ी ने तीन सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में 7–5, 4–6, 7–6(7) से जीत हासिल की। इस जीत के साथ, पॉल ने ह्यूस्टन में एटीपी 250 इवेंट में लगातार चौथे चैंपियनशिप मैच में पहुंचने की उम्मीदों को समाप्त कर दिया। मैच लगभग दो घंटे और 45 मिनट तक चला। मैच की शुरुआत पॉल ने बेहतरीन खेल से की और पहला सेट 7–5 से जीत लिया। टियाफो ने दूसरे सेट में जल्दी ब्रेक लेकर मुकाबले में वापसी की और सेट 6–4 से अपने नाम किया। मैच के दौरान 90 मिनट की बारिश की देरी ने पॉल के मोमेंटम को थोड़ा बाधित किया, लेकिन उन्होंने फिर भी मजबूती दिखाते हुए ब्रेक पॉइंट बचाया और सेट को अपने पक्ष में किया। तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों ने कड़ा संघर्ष किया। टियाफो ने शुरुआती ब्रेक लिया, लेकिन पॉल ने वापसी की और 4–2 से बढ़त बनाई। टियाफो ने फिर 4–4 से बराबरी कर ली, जिससे मुकाबला टाई–ब्रेक में चला गया। टाई–ब्रेक में पॉल 6/4 से आगे थे, लेकिन टियाफो ने दो मैच पॉइंट बचाए। अंततः चौथे सीड वाले पॉल ने अंतिम गेम में दबाव में रहते हुए रोमांचक मुकाबला अपने नाम किया। पॉल ने मैच के बाद कहा, 'जब मुझे जरूरत थी, मैंने अच्छा खेला। यह टियाफो के साथ एक शानदार मुकाबला था। वह हमेशा देखने में सबसे एंटरटेनिंग खिलाड़ियों में से रहे हैं। मुझे खुशी है कि हमें यह मैच यहां खेलने का मौका मिला।' अब पॉल फाइनल में रोमन एंड्रेस बुरुचागा का सामना करेंगे। बुरुचागा ने सेमीफाइनल में अपने ही देश के खिलाड़ी थियागो अगस्टिन तिरांटे को 6–1, 6–1 से हराकर पहले एटीरी टूर फाइनल में प्रवेश किया।